सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 246 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 19 जून 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

पत्नी से विवाद के बाद शख्स ने खा लिया कनेर का बीज, बेटियों ने समझा पिता की हो गई मौत, फिर हुआ चमत्कार

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर में अनोखा मामला सामने आया है। यहां एक शख्स ने पत्नी से विवाद के बाद कनेर का बीज पानी में घोल कर पी लिया। इसके बाद वह बेहोश हो गया। बेटियों ने जब देखा पिता जमीन पर बेसुध पड़े हैं तो उन्होंने सोचा उनकी मौत हो गई। इसके बाद रिश्तेदारों व मोहल्ले वालों को बता दिया गया। घर पर लोग जमा होने लगे और इधर कुछ घंटों बाद शख्स को होश आ गया। इसके बाद आनन फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

मिली जानकारी के मुताबिक जगदलपुर के चेरपाल निवासी रामदेव (40) की 10 साल पहले शादी हुई थी। उसके तीन बच्चे भी है। रामदेव ने बताया कि उसकी पत्नी सुमित्रा से आए दिन उसका विवाद होता रहता था। कुछ दिन पहले भी दोनों के बीच विवाद हुआ। इससे परेशान होकर होकर उसने कनेर बीज पानी में घोलकर पी लिया। जिसके बाद वह बेहोश होकर गिर पड़ा। बेहोशी की हालत में रामदेव का देख उसकी 10 साल और 8 साल की बेटी ने मृत समझ लिया।

दोनों बेटियों ने पिता के बड़े भाई और मां को सूचना दी कि पिता की मौत हो गई है। इसके बाद गांव में बात फैली तो लोग घर में जमा होने लगे। घर में अंतिम संस्कार तक की तैयारियां होने लगी। घर पर हाय तौबा मच गई और परिवार वालों ने रोना भी शुरू कर दिया। इस बीच सुबह करीब 7 बजे रामदेव को होश आने लगा और हाथ पैर हिले तो परिजन उसे लेकर नानगुर के स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। वहां रामदेव की हालत देखकर डॉक्टरों ने उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। बताया जा रहा है फिलहाल रामदेव की हालत खतरे से बाहर है।

भारी बारिश से 40 हजार लोग प्रभावित, अगले चार दिन भारी बारिश की चेतावनी, नदियां खतरे के निशान से ऊपर

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में एक सप्ताह से लगातार हो रही बारिश के कारण ब्रह्मपुत्र समेत राज्य की कई अन्य प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। इसके चलते कई हिस्सों में बाढ़ की स्थिति बन गई है। प्रदेश के 10 जिलों में अब तक कुल 40 हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। कई हिस्सों से कटाव और तटबंधों के टूटने से कई गांवों का आपस में संपर्क टूट गया है। उधर, गुवाहाटी में तेज बारिश के साथ भूस्खलन से एक की मौत हो गई। हालांकि, किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

कई जिलों में हजारों लोग प्रभावित

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की दैनिक बाढ़ रिपोर्ट के अनुसार, कछार, डारंग, धेमाजी, डिब्रूगढ़, गोलाघाट, होजई, लखीमपुर, नागांव, नलबाड़ी, सोनितपुर, तिनसुकिया और उदलगुरी जिलों में बाढ़ के कारण चालीस हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। शनिवार तक असम के आठ जिलों में 37,500 से अधिक लोग बाढ़ से पीड़ित थे। लखीमपुर बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित जिला है, जहां 25,200 से अधिक लोग बाढ़ से पीड़ित हैं, इसके बाद डिब्रूगढ़ में 3,800 से अधिक और तिनसुकिया में लगभग 2,700 लोग प्रभावित हैं।

'देखो बस्तर सीजन 2-बस्तर ऑन बाइक' का आयोजन, 75 बाइक राइडर्स ले रहे हिस्सा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में 'देखो बस्तर सीजन 2-बस्तर ऑन बाइक' का आयोजन 18 से 20 जून तक किया गया है। इसमें इस बार छत्तीसगढ़ सहित आसपास के राज्यों के 75 बाइक राइडर्स हिस्सा ले रहे हैं। यह आयोजन छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड, जिला प्रशासन बस्तर और स्थानीय सहयोगी संस्थाओं की ओर से किया जा रहा है। इससे पहले कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान की ओर से देखो बस्तर सीजन-1 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया था।

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के निदेशक धम्मशील गणवीर ने बताया कि बस्तर ऑन बाइक का मुख्य उद्देश्य राइडर्स के माध्यम से बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता, पहुंच मार्ग, सड़कें, सुविधाएं पर्यटकों को दिखाना है। साथ ही पर्यटन को बढ़ावा देना है। राइडर्स ने 18 जून से दंतेश्वरी मंदिर जगदलपुर से देखो बस्तर राइड का प्रारंभ किया है। वहां से कुरंदी, गुमलवाड़ा, गुड़ियापदर, कोलेंग होते हुए तीरथगढ़ पहुंचेंगे।

इसके बाद 19 जून को वे तीरथगढ़ से कटेकल्याण होते हुए दंतेवाड़ा, बारसूर, कोरलापल के रास्ते चित्रकोट पहुंचेंगे। इस आयोजन के समापन समारोह में 19 जून को छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड की ओर से वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए एक कार्यशाला का भी आयोजन किया जा रहा है। जिसमें मास्टरशेफविजय शर्मा मिलेट्स जैसे कोदो, कुटकी, रागी आदि के फायदे एवं पकवानों के बारे में बताएंगे।

सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस की शराब पार्टी

एएसआई पर जानलेवा हमला

हेड कॉन्स्टेबल ने बेटों के साथ मिलकर पीटा, एसपी ने किया सस्पेंड

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सार्वजनिक स्थलों पर शराब पार्टी करने से रोकने वाली पुलिस ही शराब पार्टी करने लगे तो क्या होगा। शराब पार्टी तक तो ठीक था लेकिन वहीं पुलिस कर्मी आपस में ही भिड़ जाए तो कानून व्यवस्था को कौन मानेगा। ऐसा ही एक मामला भिलाई नगर थाना क्षेत्र में देखने को मिला। रविवार को दो हवलदारों ने प्रमोशन की खुशी में बकरा व शराब पार्टी दी। इस पार्टी के दौरान भिलाई नगर में पदस्थ एएसआई गुप्तेश्वर यादव पर हेड कॉन्स्टेबल यशवंत ठाकुर के साथ उसके बेटे विनित ठाकुर व शिवम ठाकुर ने जमकर मारपीट की। मारपीट से घायल गुप्तेश्वर को सेक्टर-9 अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं मामले की जानकारी के बाद एसपी शलभ कुमार सिन्हा ने हेड कॉन्स्टेबल यशवंत ठाकुर को सस्पेंड कर दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार भिलाई नगर थाने में प्रमोशन मिलने पर दो सिपाहियों ने अपने सभी सहकर्मियों को बकरा और शराब की पार्टी दी। जयंती स्टेडियम के पास जंगल झाड़ी में बकरा बनाया गया और जाम छलके। यह वहीं जगह है जहां एसपी अभिषेक पल्लव ने लगातार अभियान चलाकर शराब खोरी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई थी । अब इसी जगह को पुलिस कर्मियों ने अपना अड्?डा बना लिया। शराब पार्टी की निमंत्रण पर यहां नगपुरा चौकी में पदस्थ हेड कॉन्स्टेबल यशवंत ठाकुर भी पहुंच गया। पार्टी के दौरान यशवंत ठाकुर का हवलदार प्रेम सिंह से विवाद हो गया। विवाद बढ़ता देख एएसआई गुप्तेश्वर यादव वहां पहुंचे और समझाइश देकर शांत कराया। हवलदार प्रेम सिंह ने यशवंत ठाकुर से माफी भी मांग ली।

यशवंत ठाकुर और उसके दोनों बेटों के खिलाफ अपराध दर्ज

मामला यहीं खत्म नहीं हुआ यशवंत ठाकुर ने अपने बेटों को कॉल कर बुला लिया। फोन करने पर उसके बेटे विनित ठाकुर व शिवम ठाकुर अपने कुछ साथियों के साथ मौके पर पहुंचे और एएसआई गुप्तेश्वर यादव पर जानलेवा हमला कर दिया। इस दौरान बीच बचाव करने पहुंचे अनिल गुप्ता को भी मार पड़ी और उसके सिर पर टांके लगे हैं। बताया जा रहा है हेड कॉन्स्टेबल के बुलावे पर पहुंचे उसके बेटों ने गुप्तेश्वर यादव से बुरी तरह से मारपीट की थी। दोनों को सेक्टर-9 अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। दोनों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। इस पूरे मामले में एसपी शलभ कुमार सिन्हा ने बड़ा एक्शन लिया है। उन्होंने घटना के बाद हेड कॉन्स्टेबल यशवंत ठाकुर को सस्पेंड कर दिया। साथ ही उसके व उसके बेटों के खिलाफ अपराध दर्ज कार्रवाई का निर्देश भी दिया गया है।

छत्तीसगढ़ में ट्रेन हादसा

केके मार्ग पर मालगाड़ी के 6 डिब्बे हुए बेपटरी, एक्सप्रेस व पैसेंजर ट्रेनें रद्द

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जोन में रविवार को बड़ा रेल हादसा हो गया। किरंदुल-विशाखापट्नम के एकलौते माग पर मालगाड़ी के 6 डिब्बे बेपटरी हो गए। हादसे के बाद केके मार्ग पुरी तरह से बाधित हो गया है। इसके कारण विशाखापट्नम-किरंदुल के बीच चलने वाली पैसेंजर ट्रेन व नाइट एक्सप्रेस को रद्द करना पड़ा है। वहीं ट्रैक को ठीक करने रेलवे की टेक्निकल टीम लग गई है। हादसे की सूचना के बाद डीआरएम भी मौके पर पहुंचे। फिलहाल हादसे कारण सामने नहीं आया है।

मिली जानकारी के अनुसार रविवार को दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल से आयरन ओर लेकर मालगाड़ी विशाखापट्टनम के लिए रवाना हुई। देर शाम बोड्डावरा यार्ड के पास मालगाड़ी के 6 डिब्बरे पटरी से उतर गए। डिरेल होने के बाद लोको पायलट ने इसकी जानकारी उच्च अधिकारियों को दी। घटना के बाद 19 जून को विशाखापट्टनम से किरंदुल के लिए निकलने वाली विशाखापट्टनम-किरंदुल नाइट एक्सप्रेस ट्रेन को रद्द कर दिया गया। वहीं रात भर ट्रैक को क्लीयर करने का काम चलता रहा। सोमवार सुबह भी यहां पर काम जारी है।

मानसून की देरी ने बढ़ाई चिंता, भीषण गर्मी और लू की वजह से तीन राज्यों में 100 से ज्यादा की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इन दिनों देश में भयंकर लू चल रही है और इस लू के चलते देश के तीन राज्यों में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। जिन राज्यों में ये मौतें हुई हैं, उनमें उत्तर प्रदेश, बिहार और ओडिशा शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में ही बीती 11 जून से 83 लोगों की मौत हो चुकी है।

मानसून में देरी

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, अभी कुछ दिन और गर्मी सताएगी क्योंकि मानसून में देरी की आशंका जताई जा रही है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, 20 जून तक तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा और 21 जून के बाद थोड़ी राहत मिल सकती है लेकिन वह भी अस्थायी होगी। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, 25 जून के बाद ही बारिश के आसार हैं। हालांकि मौसम विभाग ने बिहार में सोमवार को कई जिलों में बारिश का अनुमान जताया है। सोमवार को यूपी के कुछ जिलों में भी बारिश हो सकती है।

चक्रवाती तूफान बिपरजॉय ने हाल ही में गुजरात के कच्छ में भारी तबाही मचाई थी और अब तूफान के असर से ही यूपी में मानसून आने में देरी हो रही है। सामान्य तौर पर यूपी में 18 जून के आसपास मानसून का आगमन हो जाता है लेकिन इस बार चक्रवाती तूफान के चलते यूपी में मानसून में कुछ दिन की देरी होगी।

भीषण गर्मी और लू के चलते स्कूल बंद

बिहार और ओडिशा में भी भीषण गर्मी पड़ रही है। बिहार में लू के चलते 45 और ओडिशा में 20 लोगों की मौत की खबर है। बिहार के कई जिलों में भीषण गर्मी और लू के चलते स्कूल बंद कर दिए गए हैं। बलिया के सरकारी अस्पताल में ही बीते तीन दिनों में 54 लोगों की मौत की खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बलिया के सरकारी अस्पताल के सीएमओ डॉ. एसके यादव ने बताया कि 15 जून को अस्पताल में 154 मरीज भर्ती हुए थे, जिनमें से 23 की मौत हो गई थी। 16 जून को 137 लोग भर्ती हुए, जिनमें से 20 मरीजों की मौत हो गई थी। वहीं 17 जून को 11 मरीजों की मौत हुई थी। हालांकि मौत का कारण लू ही है, इसकी पुष्टि नहीं हुई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि जिन लोगों की मौत हुई है, वह पहले से बीमार थे और गर्मी और लू के चलते उनकी बीमारी गंभीर हो गई, जो उनकी मौत का कारण बनी।

अमेरिका ने नाटो से भी नहीं की है साझा, लेकिन अब भारत को मिलेगी तेजस के इंजन की तकनीक

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी अमेरिका दौरे में देश को जेट इंजनों के निर्माण की नई क्षमता हासिल होगी। इस दौरे पर अमेरिकी कंपनी जीई के साथ एक समझौता प्रस्तावित है, जिसके बाद भारत को स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान तेजस में इस्तेमाल होने वाले जेट इंजन की तकनीक मिल सकेगी।

जीई रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की गैस टर्बाइन रिसर्च एस्टैब्लिशमेंट (जीटीआरई) प्रयोगशाला के साथ इंजन की उत्पादन तकनीक साझा करेगी। यह इसलिए भी अभूतपूर्व है क्योंकि अमेरिका ने यह तकनीक अब तक नाटो देशों के साथ भी साझा नहीं की है। जेट इंजन की उत्पादन तकनीक इसकी लागत का 80 प्रतिशत हिस्सा वहन करती है। पीएम मोदी के अगले सप्ताह होने वाले अमेरिका दौरे पर इस समझौते पर दस्तखत हो सकते हैं। तेजस का इंजन विकसित करने की जिम्मेदारी बंगलूरू स्थित जीटीआरई के पास है। इसके लिए कावेरी इंजन विकसित किया है, लेकिन इसमें तकनीकी कमियों के चलते परियोजना में देरी हो रही है। इसलिए जीई के साथ समझौता किया जा रहा है।

देश में बनाए जा सकेंगे पुर्जे

सरकारी अधिकारियों ने कहा, प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण (टीओटी) के सौदे से डीआरडीओ को जेट इंजन क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करने में मदद मिलेगी। पुर्जे देश में बनाए जा सकेंगे और जीटीआरई को क्रिस्टल ब्लेड आदि की प्रक्रियाओं और कोटिंग्स समेत तमाम जानकारियां प्राप्त होंगी।

'आदिपुरूष' और मनोज मुंतशिर

श्रीकंचनपथ

फिल्म 'आदिपुरुष' को लेकर देशभर में बवाल मचा हुआ है। बवाल फिल्म के संवादों को लेकर है जिन्हें लिखा है मशहूर संवाद लेखक मनोज मुंतशिर ने। मनोज को लोग उनके हिन्दी प्रेम और हिन्दी ज्ञान के लिए जानते हैं। पिछले कुछ समय से अच्छी हिन्दी जानने और बोलने वालों की खूब चली हुई है। इस कड़ी में आशुतोष राणा और डॉ कुमार बिस्वास का भी नाम लिया जा सकता है। हिन्दी के इन तपस्वियों ने साबित कर दिया है कि भाषा पर पकड़ अच्छी हो तो व्यक्ति शोहरत की बुलंदियों को छू सकता है। बात सही ढंग से, सही शब्दों और सटीक उच्चारण के साथ कही गई हो तो वह जोरदार प्रभाव उत्पन्न करती है। फिर मुंतशिर से यह चूक कैसे हो गई? दरअसल, यह कोई चूक नहीं है। यह दौर अपनी-अपनी प्रतिभा को भुनाने की है। मुंतशिर को भी हम इसीलिए जानते हैं क्योंकि वो सफल हैं। वो किसी मंदिर के पुजारी या प्रायमरी मिडिल स्कूल के भाषा शिक्षक नहीं हैं। जैसी मांग होती है, वैसा लिख देते हैं, लिख सकते हैं। विवादों में घिर जाने के बाद उन्होंने पहला स्पष्टीकरण यही दिया कि यह प्रभु श्रीराम की कहानी नहीं है। इसके चरित्र रामायण के विभन्न पात्रों से प्रेरित मात्र हैं। इसके डायलाग नई पीढ़ी की भाषा के अनुरूप हैं ताकि फिल्म उनसे जुड़ सके। शायद वो सही भी थे। फिल्म ने रिलीज के दिन 95 करोड़ का धंधा किया। दूसरे दिन 65 करोड़ और क्रमशः तीसरे, चौथे, पांचवे दिन 60 करोड़, 50 करोड़ और 45 करोड़ का बिजनेस की संभावना है। विदेशी बाजार से फिल्म ने 35 करोड़ कमा लिए। फिल्म को 6000 स्क्रीनों पर एक साथ हिन्दी, इंग्लिश, तमिल और तेलुगु में रिलीज किया गया था। दरअसल, यह एक टोटल कमर्शियल फिल्म है। रामायण के किरदारों को इसलिए चुना गया कि लोग ऐसी फिल्मों को हाथों हाथ लेते हैं। लीड रोल के लिए प्रभाष कुमार और कृति सेनन को लिया गया जिनकी अपनी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। भाषा और संवाद मनोज मुंतशिर के हवाले किया गया जिनकी अपनी फैन फॉलोइंग है। यह बिजनेस है, इसका किसी की आस्था से कोई लेना देना नहीं है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने सही कहा है कि फिल्म के संवादों के घटिया होने की बात सामने आने के बाद इसे देखने की जिद नहीं करनी चाहिए। आखिर आस्था उनकी है, पैसा और समय भी उन्हीं का है। क्यों इसे किसी ऐसे विषय पर खर्च किया जाना चाहिए जो उनकी पसंद और आस्था के अनुरूप नहीं है। वैसे, फिल्म की शोहरत और सफलता में इसके विरोधियों का भी योगदान है। विरोध करने वालों ने टाकीजों में तोड़फोड़ की, उग्र प्रदर्शन किये। फिल्म को बैन करने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग भी की। पर इससे फिल्म जन-जन तक पहुंच गई। अब फिल्म टाकीजों में नहीं भी लगेगी तो लोग ओटीटी पर देख लेंगे। फिल्म की कमाई नहीं रुकेगी। कुछ लोग इसे डाउनलोड करके भी बांट देंगे।

संपादकीय

संक्रमण का सच

कोरोना अभी भी रहस्य बना हुआ है और वैज्ञानिक लगातार उसके रहस्य को समझने की कोशिश में लगे हैं। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने मिलकर शोध किया है, जिसके तहत यह समझने की कोशिश हुई है कि आखिर कोरोना फैलाने में संक्रमित लोगों या मरीजों की क्या भूमिका थी? इस वैज्ञानिक अध्ययन में डॉक्टरों ने 34 स्वस्थ युवाओं को कोरोना वायरस से संक्रमित किया। समान मात्रा में उन्हें नाक के पास वायरस उपलब्ध कराया गया। 34 में से 18 लोगों को कोरोना संक्रमण हुआ और उनमें भी मात्र दो लोग थे, जो महा-संक्रामक की भूमिका में थे। दिलचस्प यह है कि इन दोनों मरीजों में कोरोना के लक्षण बहुत सामान्य किस्म के थे। मतलब जिन लोगों को गंभीर रूप से कोरोना हुआ, वे अपेक्षाकृत कम वायरस उत्सर्जित कर रहे थे। अब वैज्ञानिकों के पास यह जानकारी है कि हर संक्रमित समान रूप से खतरनाक नहीं होता। अब आगे उन्हें यह पता लगाना है कि ऐसे संक्रमण या वायरस जनित महामारी में आखिर कौन लोग होते हैं, जो दूसरों के लिए ज्यादा खतरनाक हो जाते हैं? अगर महा-संक्रामक लोगों की पहचान हो गई, तो यह चिकित्सा विज्ञान के लिए एक बड़ी कामयाबी होगी। शोध में यह भी साफ हुआ है कि ज्यादातर उत्सर्जन हवा में होता है। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन फ्रांसिस्को में संक्रामक-रोग चिकित्सक मोनिका गांधी कहती हैं, 'महामारी के चरम दौर में मनुष्यों के बीच इतना अंतर था कि वायरस को नियंत्रित करना कठिन हो गया।' उनके कहने का अर्थ यह है कि ज्यादा वायरस फैला रहे लोगों की अगर पहचान हो जाती, तो महामारी को घातक होने से रोका जा सकता था। लैंसेट माइक्रोब में 9 जून को प्रकाशित अध्ययन से यह भी पता चलता है कि कोविड-19 की कुछ विसंगतियों के लिए वायरस की कम और मानव शरीर विज्ञान की ज्यादा भूमिका रही है। हर व्यक्ति का शरीर अलग-अलग प्रभाव और रोग प्रतिरोधक क्षमता वाला होता है। शोध के तहत, 18 विकसित संक्रमण शिकार लोगों को कम से कम 14 दिन अस्पताल में रखा गया। हर दिन प्रतिभागियों के नाक, गले, हवा, हाथ और कमरे में विभिन्न सतहों पर मौजूद वायरस की मात्रा का अध्ययन किया गया। ऐसे विस्तृत अध्ययन में भी दो लोग ही ज्यादा खतरनाक पाए गए। इन दो संक्रमितों ने हर स्तर पर और हवा में भी खूब वायरस उगले। वैज्ञानिकों ने वायरस उत्सर्जन संबंधी बहुत आंकड़े जुटाए हैं, और विवेचना जारी है। मोनिका गांधी इस पूरे अध्ययन को बहुत साहसिक बताती हैं, लेकिन इस अध्ययन को अनैतिक ठहरा रहे लोग भी कम नहीं हैं। कई लोगों का मानना है कि किसी स्वस्थ आदमी को रोगी बनाकर अध्ययन करना और उसकी जान मुसीबत में डालना उचित नहीं है। हालांकि, वैज्ञानिकों का कहना है कि संक्रमण पूरी तरह उनके नियंत्रण में था और जैसे ही लक्षण दिखने शुरू हुए, वैसे ही उपचार शुरू कर दिया गया। यह भी खास बात है कि समय पर उपचार शुरू होना फायदेमंद पाया गया। यह बात छिपी नहीं है कि बहुत से लोगों ने उपचार शुरू करने में देर की थी और इससे भी कोरोना महामारी को घातक होने का मौका मिल गया था। खैर, कोरोना अब काबू में आने लगा है। दुनिया भर में अब मरीजों की संख्या लगभग दो करोड़ ही है और रोजाना के मामले भी घटकर 40,000 तक पहुंच गए हैं। भारत में तो बमुश्किल 2,000 सक्रिय मामले हैं। लोग उम्मीद लगाए हुए हैं, कोरोना बिल्कुल खत्म हो और उसका पूरा सच सामने आए।

> " हर दिन प्रतिभागियों के नाक, गले, हवा, हाथ और कमरे में विभिन्न सतहों पर मौजूद वायरस की मात्रा का अध्ययन किया गया। ऐसे विस्तृत अध्ययन में भी दो लोग ही ज्यादा खतरनाक पाए गए। इन दो संक्रमितों ने हर स्तर पर और हवा में भी खूब वायरस उगले। वैज्ञानिकों ने वायरस उत्सर्जन संबंधी बहुत आंकड़े जुटाए हैं, और विवेचना जारी है।

गलवान के तीन साल

अनेक जानकार मानते हैं कि चीन के मामले में नेहरू सरकार की कुछ अस्थिर नीतियां 1962 में भारत को बहुत महंगी पड़ी थीं। गलवान कांड के तीन साल बाद अगर वैसी ही आशंका मंडरा रही है, तो वह बेवजह नहीं है। गलवान घाटी की दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद घटना की तीसरी बरसी एक उचित अवसर है, जब चीन के मामले में भारत की नीति का एक ठोस आकलन किया जाए। भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई उस हिंसक झड़प के तीन साल गुरुवार को पूरे हुए। इस बीच दोनों देशों के संबंध में तनाव बना रहा है और कई बार उसके खतरनाक रूप लेने के संकेत भी मिले हैं। इसके बावजूद इस बारे में भारत सरकार को कोई स्पष्ट नीति अपना पाई है या असल हालत के बारे में देश को भरोसे में ले पाई है, यह नहीं कहा जा सकता। सारी स्थिति तो उस घटना के चार दिन बाद ही-यानी 19 जून 2020 को उलझ गई थी, जब सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कह दिया था कि 'ना कोई घुसा है और ना कोई घुसा हुआ है।' तब से भारत सरकार के मंत्रियों और अधिकारियों की सारी ऊर्जा प्रधानमंत्री की बात को सही ठहराने में लगी है, हालांकि इस बीच तमाम किस्म के विपरीत संकेत मिलते रहे हैं।

सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि अगर कोई भारतीय सीमा के अंदर घुसा नहीं था, तो गलवान घाटी में झड़प क्यों हुई और उसके बाद डेढ़ दर्जन से ज्यादा बार दोनों देशों के सैनिक कमांडरों के बीच किस मुद्दे पर बात हुई है? इस मामले में उलझाने वाला सबसे ताजा बयान हाल में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दिया। उन्होंने कहा कि चीन ने भारतीय जमीन पर कोई कब्जा नहीं किया है, लेकिन उसने अपने सैनिकों की फॉरवर्ड पोस्टिंग की है और वही तनाव का कारण है। जाहिर है, इस बात का सही अर्थ समझना कठिन है और इसीलिए इसका आसानी से गले उतरना भी मुश्किल है। दरअसल, यह समझना भी मुश्किल बना रहा है कि चीन अगर भारत के खिलाफ आक्रामक मुद्रा में है, तो भारत सरकार उसकी मंशाओं पर परदा डालने के प्रयास में क्यों जुटी रही है? अनेक जानकार मानते हैं कि चीन के मामले में नेहरू सरकार की कुछ अस्थिर नीतियां 1962 में भारत को बहुत महंगी पड़ी थीं। गलवान के तीन साल बाद अगर वैसी ही आशंका मंडरा रही है, तो वह बेवजह नहीं है।

तमाम प्रगति के बावजूद

माना जाता है कि इक्कसवीं सदी में दुनिया पुरातन जीवन शैली के साथ-साथ पुरातन मान्यताओं को पीछे छोड़ चुकी है। लेकिन अगर महिलाओं के प्रति भेदभाव की मानसिकता पर ध्यान दें, तो यह राय कतई सच नहीं है। बीसवीं सदी में ही दुनिया के प्रगति के अभूतपूर्व मुकाम पर पहुंच जाने का दावा किया गया था। 21वीं सदी में तो माना जाता है कि दुनिया के अधिकांश हिस्से पुरातन जीवन शैली के साथ-साथ पुरातन मान्यताओं को पीछे छोड़ चुके हैं। लेकिन अगर महिलाओं के प्रति भेदभाव की मानसिकता पर ध्यान दें, तो यह राय सच नहीं है। हकीकत यह है कि लैंगिक पूर्वाग्रह महिलाओं और पुरुषों दोनों में बड़े पैमाने पर मौजूद है। यह महिलाओं और पुरुषों को समान रूप से प्रभावित करता है। मसलन दुनिया की 69 प्रतिशत आबादी को अभी भी लगता है कि पुरुष महिलाओं की तुलना में बेहतर नेता बनेंगे। संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि महिलाओं के खिलाफ पूर्वाग्रह आज भी समाज में बहुत गहराई तक पैठ बनाए हुए है। 'मीटू' जैसे अभियानों के बावजूद पिछले दशक में महिलाओं को लेकर धारणा में कोई बदलाव नहीं आया है। सयुंक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने इस अध्ययन में जिन लोगों को शामिल किया, उनमें से 90 फीसदी ने कम से कम एक लैंगिक पूर्वाग्रह से ग्रस्त होने की बात स्वीकार की। और ऐसा पूर्वाग्रह केवल पुरुषों में ही नहीं, बल्कि महिलाओं में भी सामान्य बात है।

> " डाटा लीक होने का सबसे दिलचस्प मामला है महेंद्र सिंह धौनी का। वह एक आधार सेवा केंद्र पर अपना आधार कार्ड बनाने गए। इस केंद्र ने अति-उत्साह में आधार बनवाते हुए धौनी की तस्वीर के साथ ही फॉर्म पर दर्ज उनकी सारी जानकारियों को ट्वीट कर दिया। इस ट्वीट को लाइक करने वालों में कुछ केंद्रीय मंत्री भी थे। वे सब इस बात से अनभिज्ञ थे कि इससे धौनी जैसी सेलेब्रिटी की बहुत सारी निजी जानकारियां सबके पास पहुंच रही हैं। बाद में जब उनकी पत्नी साक्षी धौनी ने गुस्से में ट्वीट किया कि इस देश में किसी की निजता बची भी है या नहीं, तब जाकर अधिकारियों को होश आया।

डाटा सुरक्षा पर गहन मंथन का वक्त

हरजिंदर, वरिष्ठ पत्रकार

कुछ साल पहले हॉर्वर्ड यूनिवर्सिटी की राजनीतिक अर्थशास्त्री शोशाना ज्यूबॉफ ने एक किताब लिखी थी, द एज ऑफ सर्विलांस कैपिटलिज्म। इस पुस्तक में उन्होंने साइबर युग की अर्थसत्ता की एक नई व्याख्या दी थी। पूंजीवाद की ज्यादातर शुरुआती व्याख्याएं कहती हैं कि यह व्यवस्था मजदूरों का शोषण करके अपनी सत्ता का निर्माण करती है। इसे लेकर जो नैरेटिव तैयार हुआ था, वह आज भी जहां-तहां चलता है और उसने दूसरे विश्व-युद्ध के बाद की दुनिया की राजनीति को पूरी तरह बदल दिया था। शोशाना का कहना है कि नए पूंजीवाद को श्रमिकों के शोषण की जरूरत नहीं है। वह लोगों के डाटा, यानी उनकी निजता को जमा करके अपनी नींव मजबूत करता है। हो सकता है कि इसमें किसी को श्रमिकों के शोषण जैसी क्रूरता न दिखाई दे, पर नए चलन ने बहुत से आधुनिक कारोबार को इतना मजबूत आधार दिया है, जितनी मजबूती क्लासिकल पूंजीवाद वाले दौर में भी किसी उद्यम को नहीं मिली थी।

इसका एक उदाहरण है गूगल, जो किसी वस्तु का उत्पादन किए बिना ही सिर्फ डाटा के कारोबार से दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में शामिल हो गई। वैसे, यह बात शोशाना की किताब से पहले से कही जा रही है कि आधुनिक दुनिया में डाटा ही सबसे बड़ी पूंजी है। इस दौर में जो डाटापति है, उसके आगे बड़े-बड़े पूंजीपति भी पानी भरते हैं। पिछले सप्ताह कोविन वैक्सीन लगवाने वालों का डाटा लीक होने की जो खबर आई, उसे इसी संदर्भ में देखना होगा। यह ठीक है कि सरकार की ओर से इसका खंडन आ गया है। मगर हम इस खंडन को अगर सही भी मान लें, तब भी इस पर विश्वास करना थोड़ा कठिन है कि सरकारी तंत्र में जनता का डाटा या लोगों की निजता पूरी तरह सुरक्षित है। भारत ही नहीं, दुनिया भर में कहीं भी यही स्थिति है। अन्य देशों की तरह हमारे यहां भी डाटा लीक होने की खबरें इससे पहले भी आई हैं और कई मामलों में डाटा की चोरी साबित भी हुई है।

साल 2017 में यह पता लगा था कि सरकार की ही 210 ऐसी वेबसाइट हैं, जिन पर लोगों का आधार से जुड़ा डाटा उपलब्ध है। बात उजागर होने पर ये सारी वेबसाइट पहले बंद की गईं और फिर उनसे आधार का डाटा हटाया गया। उसी साल अगस्त में बेंगलुरु से एक इंजीनियर को गिरफ्तार किया गया। उसने एक ऐसा स्मार्टफोन एप बनाया था, जो विभिन्न सरकारी वेबसाइट से आधार का डाटा चुरा सकता था। और यह तकनीक उसने एक एप से चलने वाली टैक्सी सेवा को बेच भी दी थी। वैसे, उसी महीने विकीलीक्स की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया था कि आधार का सारा डाटाबेस अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के पास पहुंच चुका है।

डाटा लीक होने का सबसे दिलचस्प मामला है महेंद्र सिंह धौनी का। वह एक आधार सेवा केंद्र पर अपना आधार कार्ड बनाने गए। इस केंद्र ने अति-उत्साह में आधार बनवाते हुए धौनी की तस्वीर के साथ ही फॉर्म पर दर्ज उनकी सारी जानकारियों को ट्वीट कर दिया। इस ट्वीट को लाइक करने वालों में कुछ केंद्रीय मंत्री भी थे। वे सब इस बात से अनभिज्ञ थे कि इससे धौनी जैसी सेलेब्रिटी की बहुत सारी निजी जानकारियां सबके पास पहुंच रही हैं। बाद में जब उनकी पत्नी साक्षी धौनी ने गुस्से में ट्वीट किया कि इस देश में किसी की निजता बची भी है या नहीं, तब जाकर अधिकारियों को होश आया। इसके बाद उस ट्वीट को तो डिलीट कर दिया गया, पर तब तक नुकसान हो चुका था।

शुरू में जब आधार की योजना बनी थी, तब इसके सीमित उपयोग बताए गए थे। मगर अब इसे बहुत ज्यादा विस्तार दे दिया गया है। आप आधार के बिना न तो पासपोर्ट बनवा सकते हैं और न ड्राइविंग लाइसेंस। पहले आयकर के लिए सिर्फ पैनकार्ड काफी होता था, पर अब इससे आधार को जोड़ना जरूरी बना दिया गया है। कोविड महामारी फैली, तो वैक्सीन लगवाने की एक जरूरी शर्त थी आधार कार्ड। सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भी इसी को आधार बना दिया गया है। इसी से मनरेगा की दिहाड़ी मिलती और मुफ्त राशन का कार्ड बनवाने के लिए भी इसी की जरूरत पड़ती है। अब बैंक खाता भी इसी से खुलता है और वेतन-पेंशन भी इसी से आती है। होटल वाले भी पहचान के तौर पर आधार ही मांगते हैं। रेलवे टीटी भी आधार देखकर ही यह तय करना चाहते हैं कि जिसके नाम से आरक्षण है, वही यात्री है कि नहीं?

एक देश एक चुनाव, एक देश एक राशनकार्ड जैसी बातें तो अभी महज राजनीतिक नारा हैं, लेकिन एक देश एक पहचान-पत्र को हकीकत में बदल दिया गया है। यह माना जाता है कि किसी भी तरह के डाटा को जितना विस्तार मिलेगा या जितनी जगह या जितने सर्वरों पर उसकी उपस्थिति दर्ज होगी, उसके लीक होने की आशंका भी उतनी ही ज्यादा होगी। सवाल यह नहीं है कि डाटा चोरी हुआ या नहीं, बात यह है कि इसका आवागमन इतने दरवाजों से हो रहा कि सेंधमारों के विकल्प बढ़ गए हैं। उस दौर में, जब डाटा ही संपत्ति है, उसके चोर भी बढ़ रहे हैं, जो चोरी की नित नई तकनीक भी विकसित कर रहे हैं। यह खतरा तकरीबन पूरी दुनिया में है, और हर दूसरे दिन डाटा लीक की खबरें कहीं न कहीं से आती ही हैं। इसीलिए कहा जाने लगा है कि सरकारों को अपने डाटा के चरणचिह्न, यानी 'फुटप्रिंट' कम और विकेंद्रित करने चाहिए। लेकिन हम न सिर्फ अपने फुटप्रिंट बढ़ा रहे हैं, बल्कि उनको और एकीकृत कर रहे हैं। आम लोगों के लिए नौकरशाही अब आधारशाही में बदलती जा रही है।

हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने निजता को मूल अधिकार कहा है, लेकिन अगर यह अधिकार भंग होता है, तो क्षतिपूर्ति हासिल करने के प्रावधान हमारे यहां नहीं हैं। देश के डाटा सुरक्षा कानून में डाटा चोरी या उसका दुरुपयोग करने वाली निजी क्षेत्र की कंपनियों या व्यक्तियों को सजा देने का प्रावधान तो है, लेकिन अगर यह डाटा किसी सरकारी व्यवस्था की खामी या भ्रष्ट आचरण की वजह से लीक हुआ है, तो उनके लिए यह कानून उतना सख्त नहीं है। डाटा को लेकर गंभीर होने का वक्त आ गया है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अगली पीढ़ी के हाथों में जाती वंशवादी दलों की कमान

राहुल वर्मा

यह तो तभी साफ हो गया था, जब करीब महीने भर पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का फैसला किया। उस तीन दिवसीय ड्रामे का, जिसमें पवार ने पार्टी सदस्यों का सम्मान करते हुए अपना फैसला वापस ले लिया था, ठीक वही मकसद अब सामने आता दिख रहा है, जिसका अनुमान लगाया गया था। यानी, अपने भतीजे और पार्टी के दूसरे सबसे कद्दावर नेता अजित पवार को किनारे करते हुए अपनी बेटी सुप्रिया सुले को स्थापित करना। सुप्रिया को कार्यकारी अध्यक्ष बनाने से यह स्पष्ट हो गया है कि पार्टी की कमान अब कौन संभालेगा?

यह घटनाक्रम भारतीय राजनीति के एक महत्वपूर्ण पहलू को भी बेपरदा करता है। यह उस वंशानुगत नेतृत्व परिवर्तन का ताजा उदाहरण है, जो परिवार द्वारा संचालित क्षेत्रीय दलों में दिखते हैं। यहां कुछ बदलाव निरापद हुए हैं, जैसे द्रमुक के एम के स्टालिन, जबकि कुछ का पार्टी पर तो नियंत्रण है, मगर चुनाव में उन्हें मात खानी पड़ी, जैसे समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव। भारत राष्ट्र समिति या तृणमूल कांग्रेस जैसी पार्टियों में नेतृत्व-परिवर्तन की योजना भी स्पष्ट है, लेकिन अभी इस पर काम चल रहा है। जबकि, बीजद या वाईएसआर कांग्रेस जैसे कुछ दलों में इस बाबत स्पष्टता का अभाव है। इन वंशवादी क्षेत्रीय पार्टियों में उत्तराधिकारी के काबिज होने के तीन रास्ते दिखते हैं। पहला वर्ग उन दलों का है, जिनमें नेतृत्व-परिवर्तन के दौरान उत्तराधिकारी (पार्टी संस्थापक की संतान) के सामने कोई बड़ी चुनौती नहीं आई। जैसे, नेशनल कांफ्रेंस (अब्दुल्ला परिवार), राजद (लालू यादव का परिवार), नेशनल पीपुल्स पार्टी (पीए संगमा का परिवार) और द्रमुक (एम करुणानिधि का परिवार) का नाम यहां लिया जा सकता है। इन दलों में उत्तराधिकारी के बारे में पार्टी सुप्रीमो की तरफ से स्पष्ट संकेत मिला, और परिवार के अन्य लोगों व पार्टी नेताओं ने उसे खुशी-खुशी मान लिया। तृणमूल कांग्रेस भी इसी ओर जाती दिख रही है।

दूसरा वर्ग उन दलों का, जिनमें मनोनीत उत्तराधिकारी को या तो परिवार के भीतर से या पार्टी के ही किसी अन्य नेता से चुनौती मिली। जैसे, अखिलेश यादव को पार्टी पर पकड़ बनाने के लिए अपने चाचा शिवपाल यादव से दो-दो हाथ करना पड़ा। मनप्रीत बादल को अपने चचेरे भाई सुखवीर बादल के लिए रास्ता बनाने के लिए शिरोमणि अकाली दल छोड़ना पड़ा। एचडी देवेगौड़ा के भरोसेमंद सिद्धारमैया भी एचडी कुमारस्वामी के उदय के बाद जनता दल (एस) में अपना भविष्य नहीं देख पाए और कांग्रेस में शामिल हो गए। वंशवादी दलों के तीसरे वर्ग में उत्तराधिकार की कवायद ने दल को ही खत्म कर दिया। जैसे, शिव सेना में राज ठाकरे को अपने चचेरे भाई उद्धव ठाकरे के लिए इस्तीफा देना पड़ा, मगर पिछले साल, एकनाथ शिंदे द्वारा बगावत किए जाने के बाद पार्टी टूट गई, क्योंकि यह स्पष्ट हो गया था कि उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य को पार्टी की बागडोर संभालने के लिए तैयार किया जा रहा था। ओम प्रकाश चौटाला के दोनों बच्चे भी अपनी मूल पार्टी को एक नहीं रख सके, जबकि लोजपा रामविलास पासवान के बेटे चिराग पासवान और उनके भाई पशुपति पारस की गुटबाजी की लड़ाई में अब भी फंसी हुई है।

जाहिर है, उत्तराधिकार की दौड़ में भाई-भतीजे शायद ही जीतते हैं। कमान हमेशा अपनी संतान को सौंपी जाती है, विशेषकर बेटों को। बेशक, सुप्रिया सुले ने मैदान मार लिया है, लेकिन उन पर अहम जिम्मेदारी भी है। असल में, दूसरी पीढ़ी के कई नेता पार्टी संस्थापक के करिश्मे को दोहराने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। क्या इन सबकी परवाह आम लोगों को करनी चाहिए? हां, क्योंकि ये वंशवादी पार्टियां महत्वपूर्ण राज्यों पर पकड़ रखती हैं और अपने क्षेत्र में कांग्रेस की तुलना में अधिक सफल रही हैं। वे आगामी आम चुनाव में विपक्षी गठबंधन का अहम घटक हो सकती हैं। वंशवाद उनकी कमजोरी है, पर स्थानीय लोगों पर पकड़ उनकी बड़ी ताकत है। भाजपा यह जानती है। कुछ सत्ता विरोधी लहर, कुछ आर्थिक संकट और अपनी एकाधिक राज्य सरकारों के खराब प्रदर्शन से जूझ रही भाजपा भाई-भतीजावाद और वंशवाद के तर्क का इस्तेमाल मतदाताओं को अपनी ओर खींचने में कर सकती है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

वंदे भारत रेलगाड़ी बनने की अंदरूनी कसक

राजेश रामचंद्रन

वंदे भारत रेलगाड़ियों को लेकर लोगों में उत्सुकता इतनी ज्यादा है कि ओडिशा के बालासोर रेल हादसे के बावजूद यह बरकरार है। जिस त्रासदी ने 289 यात्रियों की जिंदगी लील ली और जो भारतीय रेल इतिहास की सबसे भीषण दुर्घटनाओं में से एक है, क्या इसके पीछे कोई तोड़-फोड़ है, जैसा कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त की आरंभिक जांच रिपोर्ट आने से पहले ही तफ्तीश में सीबीआई की घोषणा करने से लग रहा है। बहरहाल, वंदे भारत का प्रचार इतना ज्यादा है कि इसका सकारात्मक पहलू भारत में रेल यात्रा से जुड़ी असुरक्षा और अप्रत्याशिता रूपी दुश्वारियों पर भारी पड़ रहा है। वास्तव में, वंदे भारत निर्माण भारतीय रेल की एकमात्र सफलता गाथा है तभी तो रेलवे विभाग इतना आत्ममुग्ध है। क्योंकि इससे पहले जो रेल डिब्बे या तकनीकें प्रयुक्त हुईं, अधिकांशतः आयातित थे। वंदे भारत रेलगाड़ी बनाना सच में 'देसी जीत' है।

कोई हैरानी नहीं कि हर नई वंदे भारत रेल को प्रधानमंत्री खुद झंडी दिखाते हैं और आगामी 26 जून को पांच ऐसी गाड़ियों का उद्घाटन करेंगे। लेकिन 26 का यह आंकड़ा वंदे भारत बनाने वाली टीम के लिए बहुत अहमियत रखता है या यूं कहें कि कई दृष्टि से चिंतित करने वाला है, जैसा कि मुझे एक सेवानिवृत्त मित्र से बातचीत में पता चला, जिनसे मेरा परिचय उस वक्त से है, जब मैं लगभग 20 साल पहले बतौर संवाददाता रेलवे विभाग देखता था। 'वंदे भारत' परियोजना को पहले 'ट्रेन-18' नाम दिया गया था। विद्रूपता यह कि रेलवे के सतर्कता विभाग ने इस परियोजना की मूल टीम के एक-दो नहीं, 26 अधिकारियों पर अभियोग पत्र दाखिल किए। इनमें महाप्रबंधक सुधांशु मणि (जो इंटीग्रल कोच फैक्टरी चेन्नई के मुखिया भी थे), से लेकर कनिष्ठ अधिकारी तक, जो कोई डिजाइन, प्रारूप, इंजीनियरिंग और डिलीवरी विभाग से जुड़ा था, पर वित्तीय गड़बड़ी के आरोप जड़ दिए गए।

इसकी शुरुआत सुधांशु मणि से हुई, जब उन्होंने अगस्त, 2016 में इंटिग्रल कोच फैक्टरी का बतौर महाप्रबंधक काम संभाला, इससे पहले वे जर्मनी में रेलवे की ओर से सौंपा गया कार्य पूरा करके लौटे थे। ऐसा शख्स, जो सबसे किफायती सेमी-हाई स्पीड रेलगाड़ी जल्द से जल्द बनाने की आकांक्षा रखता हो, इस काम के लिए उन्होंने चुनींदा टीम तैयार की। चूंकि वंदे भारत बनाने की समय सीमा 2018 रखी गई, इसलिए परियोजना को नाम दिया 'ट्रेन-18'। दिसम्बर, 2018 में भारतीय इंजीनियरों ने कर दिखाया और यह उपलब्धि भारतीय रेल इतिहास में उपलब्धि है। लेकिन सितम यह कि 15 फरवरी, 2019 के दिन, जब प्रथम वंदे भारत को झंडी दिखाने का समारोह हो रहा था तब तक सुधांशु मणि सेवामुक्त हो चुके थे और मूल निर्माण टीम का एक भी सदस्य इस अवसर पर मौजूद नहीं था। खैर, सरकार के घर काम ऐसे ही होते हैं और अक्सर श्रेय चुरा लिए जाते हैं या किसी नकारा पदाधिकारी की झोली में अनचाहे गिर जाते हैं। वंदे भारत बनाने वाली मूल टीम को तब ज्यादा खुशी होती, यदि रेलवे बोर्ड इनकी काबिलियत पर भरोसा रखते हुए, जो धन विदेशी सेमी-हाई स्पीड डिब्बों को खरीदने में लगता, उसका अंश जारी कर देता और यह लोग उतने में बना डालते।

केवल दो सालों में परियोजना पूरी करने की जल्दी और एक विश्वस्तरीय स्वदेशी रेलगाड़ी बनाने का ध्येय प्राप्त करने में जाहिर है टीम को कुछ गैर-रिवायती तौर-तरीके अपनाने ही पड़ने थे, वर्ना सफलता कैसे मिलती? लेकिन शायद ही कभी उन्हें अहसास हुआ होगा कि इस परियोजना की सफलता उनमें कुछ की नौकरी खा जाएगी। जहां सुधांशु मणि और उनकी टीम के बनाए रेल डिब्बे की लागत 6 करोड़ रुपये पड़ती है वहीं एक यूरोपियन रेल डिब्बे की कीमत 10-12 करोड़ रुपये के बीच होती है। प्रथम वंदे भारत को रवाना करने के बाद रेलवे बोर्ड अध्यक्ष और सतर्कता विभागाध्यक्ष ने दुर्भावनापूर्ण जांच शुरू कर दी, परिणामस्वरूप परियोजना में जिम्मेवारी उठाकर भूमिका निभाने वाले अधिकारियों पर अभियोगपत्र दाखिल हुआ। उनका अपराध इतनाभर था कि वे एक सफल टीम का हिस्सा थे। जाहिर है, एक अभियोगपत्रयाफ्ता व्यक्ति को आगे पदेन तरक्की नहीं दी जाती। इसलिए उन्हें चुप रहकर यह सहना पड़ा।

इसी बीच, परिदृश्य में सीआरआरसी कॉर्पोरेशन नामक चीनी कंपनी की प्रवृष्टि होने से एक उप-साजिश चल निकली। रेलवे बोर्ड में सदा से ऐसे दलालों और मध्यस्थतों का आना-जाना रहा है जो देश-विदेश के विभिन्न उत्पादकों या सेवा-प्रदाताओं के हित साधते हैं। कुछ दशक पहले तक तो मंज़र यही था, हो सकता है अब बदलाव आया हो। बहरहाल, फैसला लेने की हैसियत रखने वाले कुछ लोगों के लिए चीनी कंपनी की पेशकश इतनी लुभायमान थी कि उसे नज़रअंदाज़ करना मुश्किल हो गया। हो सकता है मणि और उनकी टीम के विरुद्ध सतर्कता मामला इसलिए खोला गया हो ताकि चीनी कंपनी के टेंडर को तरजीह मिल पाए। बेशक ऐसा करके वे कुछ अधिकारियों को एक किनारे लगाने के अपने प्रयासों में सफल रहे और सीआरआरसी का टेंडर तक पास हो चुका, लेकिन 44 सेमी हाईस्पीड रेलगाड़ियां खरीदने का मंसूबा तब खटाई में पड़ गया, जब 2020 में चीन ने लद्दाख में घुसपैठ कर दी। रेलवे बिरादरी में कुछ लोग हैं जिनका मानना है कि गलवान में हुआ टकराव वंदे भारत रेल निर्माण में दैवीय योग बनकर आया।

यदि चीन ने तीन साल पहले सीमा पारीय घुसपैठ का दुस्साहस न किया होता और गलवान में धोखा नहीं दिया होता तो 'ट्रेन-18' परियोजना 'असफलता' का कलंक कुछ अफसरों के माथे मढ़कर बंद कर दी जाती। वास्तव में, यहां तक कहा जा रहा है कि सेमी हाई स्पीड ट्रेन टेंडर का एक हिस्सा यह भी था कि चीनियों की उपस्थिति उस महत्वपूर्ण रेलवे उत्पादन इकाई में हो जाती जहां पर भारतीय सेना के लिए अति महत्वपूर्ण रक्षा उपकरण तैयार किए जाते हैं। और जिन अधिकारियों ने इस चीनी दखलअंदाज़ी का विरोध किया, उन्हें अपने राष्ट्रप्रेम की एवज में बहुत भुगतना पड़ा। चीनी कंपनी का टेंडर छिटक जाने के बाद, इंटीग्रल कोच फैक्टरी में वंदे भारत के निर्माण कार्य ने गति पकड़ ली और रेलगाड़ियां बनकर निकलने लगीं, जिसके लिए वाहवाही रेलवे बोर्ड और मंत्रालय लूटने लगा। लेकिन मूल निर्माण टीम को अभी भी ऊल-जलूल प्रश्नोत्तरी का सामना करना था, जिसका मकसद सच जानने की बजाय केवल उन्हें तंग और बेइज्जत करना था।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

ADMISSION OPEN
COMMERCE GURU
12th CLASS
REGULAR STUDENT
GET CLASS 11th SYLLABUS CLASSES for FREE
APPLY NOW
www.commerceguru.in @commerceguru
commerceguru2011@gmail.com
35,Gourav Path, Sundar Nagar,Bhilai
+91 9644454810
+91 8103338634

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

दूसरी संतान बेटी होने पर हितग्राहियों के खाते में पहुंच रही प्रोत्साहन राशि

रायपुर। संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने कहा कि सुरक्षित मातृत्व के लिए कौशल्या मातृत्व योजना भूपेश सरकार की अनूठी पहल है। इस योजना के तहत दूसरी संतान बेटी होने पर हितग्राहियों के खाते में पांच हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। संसदीय सचिव व विधायक श्री चंद्राकर ने कहा कि मातृत्व महिलाओं के लिए कठिन दायित्व में से एक है। एक नई जिंदगी को लाने के पश्चात उसके पालने और संभालने में हर दिन चुनौतियों का सामना प्रत्येक मां करती है। इसी के मद्देनजर छग सरकार की महत्वाकांक्षी एवं जनहितैषी योजनाओं में से एक कौशल्या मातृत्व योजना ऐसे ही माताओं को समर्पित हैं। छत्तीसगढ़ सरकार की मंशानुरूप इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य में दूसरी बार बेटी को जन्म देने वाली महिलाओं को प्रोत्साहन राशि प्रदान करके आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना है। इसके अन्तर्गत दूसरी बार बेटी को जन्म देने वाली महिलाओं को 5000 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। ताकि महिलाएं अपने नवजात बालिका शिशु का अच्छे भरण-पोषण देखभाल कर स्वयं आत्मनिर्भर बनें। विशेष तौर पर बेटियों को जन्म देने वाली माताओं को प्रोत्साहित करना भी इस योजना के उद्देश्यों में समाहित हैं। इस योजना से हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। संसदीय सचिव व विधायक श्री चंद्राकर ने कहा कि इस योजना के माध्यम से सामाजिक आर्थिक जनगणना में पात्र महिला हितग्राही के द्वितीय संतान बालिका के जन्म पर सहायता राशि प्रदान करना ताकि महिलाएं बच्चे के जन्म के बाद पर्याप्त विश्राम कर सके।

रोजगार मेला के लिए निजी प्रतिष्ठानों एवं फर्मों से रिक्त पदों पर प्रस्ताव आमंत्रित

गरियाबंद। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र गरियाबंद द्वारा माह जून व जुलाई 2023 में जिला स्तरीय रोजगार मेला, प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जायेगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेला, प्लेसमेंट कैम्प के माध्यम से निजी प्रतिष्ठानों व फर्मों से प्राप्त रिक्तियों की पूर्ति की कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने निजी प्रतिष्ठानों , फर्मों से अपील की है कि संस्थान में उपलब्ध रिक्तियों की जानकारी यथा-प्रतिष्ठान का नाम, पता, सम्पर्क नंबर, ई-मेल पता, रिक्त पद का नाम, रिक्ति की संख्या, निर्धारित योग्यता, आयु वांछित अनुभव, कार्य का स्थान, मासिक वेतन संबंधी विवरण सहित ई-मेल एम्प्लाईमेंटएक्सचेंज डॉट गरियाबंद एडदरेड जीमेल डॉट कॉम से या सीधे जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र गरियाबंद में डाक द्वारा 22 जून 2023 तक उपलब्ध करा सकते हैं, ताकि प्रस्तावित रोजगार मेला, प्लेसमेंट कैम्प में प्राप्त रिक्तियों को शामिल किया जा सके। रोजगार मेला, प्लेसमेंट कैम्प की निर्धारित तिथि एवं स्थान की सूचना पृथक से दी जायेगी।

हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

152 स्नातक, 55 स्नातकोत्तर को मिली डिग्री

2 विद्यार्थियों को पीएच.डी. की डिग्री प्रदान की गई , असाधारण शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए 36 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदत्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल नवा रायपुर स्थित हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के 6वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। ट्रिपल आईटी के ऑडिटोरियम में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश और एचएनएलयू के कुलाध्यक्ष न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस ने की। इस मौके पर एचएनएलयू के कुलाधिपति और छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने दीक्षांत समारोह के शुभारंभ की घोषणा की। कार्यक्रम में राईट नेचर एण्ड सस्टेनेबिलिटी और एचएनएलयू जर्नल ऑफ लॉ एण्ड सोशल साइंसेस नामक पुस्तक का विमोचन किया गया।

दीक्षांत समारोह में विधि में स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 152 विद्यार्थियों और स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 55 छात्रों के साथ दो विद्यार्थियों सुश्री देबमिता मंडल और सुश्री श्रद्धा राजपूत को एचएनएलयू की फैकल्टी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की डिग्री प्रदान की गई। कार्यक्रम में 13 यूजी और 3 पीजी छात्रों को उनकी असाधारण शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए 36 स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

इन पदकों में चांसलर का स्वर्ण पदक, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली छात्रा के लिए विश्वविद्यालय का स्वर्ण पदक, छत्तीसगढ़ राज्य बार काउंसिल स्वर्ण पदक, स्वर्गीय कमल नारायण शर्मा स्वर्ण पदक, स्वर्गीय श्रीमती शांति देवी अग्रवाल स्मृति स्वर्ण पदक, विद्याधर मिश्र स्मृति स्वर्ण पदक, दिनेश प्रसाद श्रीवास्तव स्मृति स्वर्ण पदक, स्वर्गीय हमीदुल्लाह खान पूर्व विधायक कबीरधाम स्वर्ण पदक, स्वर्गीय के. पी. मुंशी स्वर्ण पदक, सैयद वकील अहमद रिजवी स्वर्ण पदक शामिल हैं।

दीक्षांत समारोह में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और एचएनएलयू कार्यकारी परिषद के पूर्व सदस्य जस्टिस एम. आर. शाह, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सैम कोशी, न्यायमूर्ति संजय के अग्रवाल, राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी, भोपाल के पूर्व निदेशक न्यायमूर्ति गोड़ा रघुराम सहित अनेक शिक्षाविद, विधिवेत्ता, अभिभावकगण और छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थी।

युवा संगम कार्यक्रम के तहत नागालैंड के विद्यार्थियों को कराया गया सिरपुर दर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर में भारत सरकार के कार्यक्रम एक भारत श्रेष्ठ भारत युवा संगम के दूसरे चरण का शुभारंभ किया गया। एक भारत श्रेष्ठ भारत युवा संगम के विचार की परिकल्पना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई थी। एक भारत श्रेष्ठ भारत युवा संगम मुख्य रूप से उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों और देश के विभिन्न राज्यों के युवाओं के एक्सपोजर टूर आयोजित करने पर केंद्रित है।

इसके तहत एनआईटी रायपुर को एनआईटी नागालैण्ड के साथ जोड़ा गया है। इस एक्सपोजर टूर के तहत एनआईटी नागालैण्ड के 42 प्रतिनिधि छतीसगढ़ का दौरा कर रहे हैं.एक भारत श्रेष्ठ भारत युवा संगम की इसी कड़ी में दूसरे दिन नागालैंड के प्रतिनिधियों को रायपुर के प्रसिद्ध अंबुजा मॉल का दौरा कराया गया।

इस दिन का मनोरंजक समापन उन्होंने मॉल में अनेक प्रकार के खेल खेलते हुए और खरीदारी करते हुए किया। कार्यक्रम के तीसरे दिन सभी प्रतिनिधियों को ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से भरपूर पर्यटन आकर्षण सिरपुर घुमाने ले जाया गया। सर्वप्रथम सिरपुर के लक्ष्मण मंदिर के मनोरम दृश्यों का सभी ने आनंद लिया। वहां मौजूद टूरिस्ट गाइड ने छत्तीसगड की सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए सिरपुर के इतिहास की व्याख्या की।उन्होंने बताया यह मंदिर पूर्णत: वास्तु शास्त्र के अनुसार बनाया गया है। इस मंदिर में सनातन धर्म के अवतारों और अनेक हिंदू देवीङ्कदेवताओं के शिलालेख तथा मूर्तियां उपस्थित है। यहां नारी के महत्व को भी दर्शाया गया है।

सभी विद्यार्थियों को 1400 वर्ष प्राचीन बौद्ध विहार का भ्रमण करने का अवसर भी प्राप्त हुआ। यहां मौजूद साडे छह फीट भगवान बुध की मूर्ति, प्राचीन जल संग्रहण, पारंपरिक एयर कंडीशनिंग सिस्टम्स, अम्प्रपाली संरचना, प्राचीन वास्तुकला, आदिवासी नृत्य और लोहे के शिलालेख देख सभी आश्चर्यचकित रह गए। सातवी शताब्दी में बने पश्चिम मुखी तथा प्राचीन भारत के सबसे ऊंचे स्टोन टेंपल पंचरथ शिव मंदिर के दर्शन भी विद्यार्थियों को करवाए गए तथा छत्तीसगढ़ का नामकरण इस मंदिर के 36 चरणों के कारण होने का संदर्भ समझाया गया। यहां शिव और गणेश भगवान की प्रतिमाएं उपस्थित हैं। यह मंदिर पूर्णत: वास्तु शास्त्र के अनुसार एवं वैज्ञानिक रूप से नियोजित किया गया है।

सिरपुर की यात्रा ने नागालैंड के प्रतिनिधियों को छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक सौंदर्य एवं सांस्कृतिक इतिहास से अवगत कराकर सकारात्मक रूप से प्रभावित किया। आगामी दिनों में, नागालैंड के प्रतिनिधियों को गवर्नर्स हाउस की यात्रा के साथ रायपुर और नया रायपुर के अवलोकन करते हुए विभिन्न मनोरंजनात्मक गतिविधियों में भी भाग लेने का मौका मिलेगा।

कांग्रेस में वापसी के बाद मनोज पाण्डेय को मिली बूथ प्रबंधन की जिम्मेदारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विधानसभा चुनाव 2023 के परिप्रेक्ष्य में बूथ प्रबंधन सहित विधानसभा चुनाव की तैयारी के विभिन्न पहलुओं से प्रशिक्षित कराने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा विधानसभा स्तरीय प्रशिक्षण शिविर शुरू किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से विधानसभा चुनाव के पहुलओं पर, विषयों पर विषय विशेषज्ञ प्रशिक्षण देंगे। शिविर में प्रशिक्षार्थी के रूप में विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले समस्त सेक्टर, जोन, ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षगण, विधानसभा क्षेत्र में निवासरत प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी एवं प्रदेश प्रतिनिधिगण तथा विधानसभा क्षेत्र में निवासरत निगम, मंडल बोर्ड, आयोग में नियुक्त पदाधिकारीगण को प्रशिक्षित किया जायेगा।

भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने इसे लेकर प्रशिक्षण शिविर के लिए अनुशंसा पत्र जारी किए है। जिसके साथ ही उन्होंने भिलाई नगर विधानसभा क्षेत्र के प्रशिक्षण शिविर के समन्वय एवं सम्पूर्ण व्यवस्था के लिए मनोज कुमार पाण्डेय को प्रभारी नियुक्त किया है। विधायक श्री यादव ने पूरी जिम्मेदारी उन्हें सौप दी। साथ ही पूरी उम्मीद जताई है कि मनोज पांडे पूरी जिम्मेदारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। ऐसी के साथ ही मनोज पांडे ने पूरा भरोसा दिलाया कि वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से पार्टी जिम्मेदारी को निभाएंगे साथ ही उन्हीने इतनी बड़ी जिम्मेदारी केलिए विधायक श्री यादव का आभार जताया।

रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रिपा) बदली ग्रामीण महिलाओं की तकदीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। छत्तीसगढ़ में सरकार के स्तर से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। महिलाएं अब खुद हुनरमंद होकर छोटे-मोटे रोजगार के जरिये स्वाबलंबी बनने की ओर अग्रसर होने लगी हैं। ज़िले के बाग़बाहरा ब्लॉक के गांव एम.के. बाहरा में ऐसा ही एक जय माँ लक्ष्मी महिला स्वयं सहायता समूह नमकीन सलोनी (मठरी) बनाकर अपनी स्वांवलंबन की राह पर है।

महिला स्वसहायता समूह में दस महिलाएं हैं। ये अलग-अलग तरह के स्वादिष्ट नमकीन बनाने में इन दिनों जुटी हुई हैं। यहाँ की गौठान में हाल ही में रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रिपा) के तहत स्थापित नमकीन बनाने की मशीन और पैकेजिंग मशीन से समूह की क़िस्मत बदल रही है। कम मेहनत और ज़्यादा काम होने लगा है। महिलाओं की आय भी बढ़ रही है। अब उनके द्वारा तैयार की हुई नमकीन सलोनी (मठरी) का आसपास के स्थानीय बाज़ारों के साथ ज़िले के अन्य दुकानों, घरों में भी जल्द चाय की चुस्की के साथ देखने मिलने वाला हैं। स्थानीय बाज़ार में माँग के अनुरूप स्वसहायता समूह की महिलायें अलग-अलग प्रकार के नमकीन, सलोनी (मठरी) बनाने में जुटी है। जल्द ही नाम का पंजीयन कराकर इसे बाज़ार में उतारा जाएगा। फ़िलहाल सैंपल के तौर पर बनाना शुरू किया है। इन्हें राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एन आरएलएम) के द्वारा एक माह का प्रशिक्षण दिया गया है।

समूह की अध्यक्ष श्रीमती योगेश्वरी साहू और सचिव श्रीमती तुमेश्वरी साहू कहती है कि पहले वह खेती-बाड़ी में काम करती थी। जिसमें मुझे कम आमदनी मिलती थी जो परिवार के लिए कम पड़ती थी। किंतु जबसे गांव में शासन की योजना से गौठान बनाये गये तब से गांव की महिलाओं को काम मिलने लगा। वे पहले वर्मी खाद भी बनाते जिससे आय भी होती। वे कहती है कि उनके 10 महिलाओं का एक जय माँ लक्ष्मी नाम से समूह है। इस समूह की महिलायें मिल कर काम करती है। जब से रीपा के अन्तर्गत नमकीन बनाने की मशीन लगी है। उससे समूह की महिलाओं की क़िस्मत बदल रही है। सुबह से आकर 12 बजे तक नमकीन सलोनी बनाते है। हाल ही में डेढ़ क्किंटल से अधिक सलोनी बनाकर उसकी पैकेजिंग की जा चुकी है। शुरुआत में बेचने में दिक़्क़त है।लेकिन स्थानीय बाज़ार और हाट बाज़ार में जाकर प्रचार कर इसे बेचा जाएगा। इसके अलावा घर-घर जाकर भी इसके बारे में बताया जा रहा है। सी-मार्ट के ज़रिए भी विक्रय किया जाएगा।

इसका स्थानीय होना और गुणवत्तापूर्ण स्वादिष्ट होना इसकी मुख्य वजह होने से इसे स्थानीय लोग जल्द पसंद करेंगे। कुछ गांव के लोगों ने चाय की चुस्की के साथ इसे ख़ाना शुरू किया है तारीफ़ भी की। जल्द ही नाम का पंजीयन कराकर इसे बाज़ार में उतारा जाएगा। फ़िलहाल सैंपल के तौर पर बनाना शुरू किया है।

समूह की सचिव ने नमकीन सलोनी बनाने की विधि बतायी कि पहले मिक्सिंग मशीन में मैदा, घी, अज़्वाईन, नमक, कस्तूरी मेथी पानी आदि मिलाकर मिक्सिंग मशीन में गूँथा जाता है। उसके बाद रोलर से प्रेस कर उसे लगे कटर से छोटे और विभिन्न आकर में शेप देकर उसे गर्म तेल की कढ़ाई में पकाया जाता है। उसके बाद पैकिंग मशीन में पैक करने की ज़रूरत होती है। ज़िला प्रशासन ने पैकेजिंग मशीन भी उपलब्ध करायी है। जिसके द्वारा कप फिलर में पैक किया जाता है।

शुरू हुआ ईव्हीएम और व्हीव्हीपैट मशीन की चेकिंग

सारंगढ़ बिलाईगढ़। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देशानुसार आगामी विधानसभा चुनाव 2023 की तैयारी के सिलसिले में कलेक्टोरेट सारंगढ़ के समीप कृषि उपज मंडी परिसर के वेयर हाउस में वोटिंग मशीनों का प्रारंभिक चरण पर जांच 18 जून को शुरू किया गया है, जो 24 जून तक प्रात: 9 बजे से शाम 7 बजे तक होगा। इस कार्य में 14 इंजीनियरों के टीम को स्कूल शिक्षा विभाग के 31 मास्टर ट्रेनर के साथ राजस्व, निर्वाचन और पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी सहयोग प्रदान कर रहे हैं। एफएलसी कार्य- यह ईव्हीएम और व्हीव्हीपैट मशीनों का प्रारंभिक स्तर पर जांच (फर्स्ट लेवल चेकिंग) है। इसमें मशीनों की सफाई के बाद प्री-एफएलसी के तहत सीयू, बीयू और व्हीव्हीपैट की जांच की जाती है, फिर कई चिन्ह को लोड किया जाता है।

BIG BRAND
Premium Store
30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school ,
Nehru Nagar ,Bhilai

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

माधव राव सप्रे ने छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता को एक नई दिशा दीः भूपेश बघेल

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता के जनक और साहित्यकार पंडित माधवराव सप्रे की 19 जून को जयंती पर उन्हें नमन किया है। सप्रे जी को याद करते हुए मुख्यमंत्री बघेल ने कहा है कि सप्रे जी द्वारा रखी गई नींव पर ही आज छत्तीसगढ़ की पत्रकारिता समृद्ध हो रही है। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय और साहित्यिक चेतना को विकसित करने में भी सप्रे जी का अमूल्य योगदान रहा है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उनकी लेखनी ने सैकड़ों सत्याग्रहियों का मार्गदर्शन किया और राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा दी। सप्रे के रचनात्मक और मूल्यपरक लेखन ने छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता को एक नई दिशा दी है।

श्री बघेल ने कहा कि सप्रे जी जीवन भर देश और साहित्य की सेवा में लगे रहे। उनके कई लेख और कृतियां प्रकाशित हुई। उन्होंने अनेक संस्थाओं को जन्म दिया जिनके माध्यम से लोग देश और जन सेवा के लिए आगे आए। सन् 1900 में जब प्रकाशन के लिए पर्याप्त सुविधाएं और आधुनिक तकनीकी नहीं थी, उन्होंने वामनराव लाखे और रामराव चिंचोलकर जी के सहयोग से पेण्ड्रा में मासिक हिन्दी समाचार पत्र 'छत्तीसगढ़ मित्र' का सम्पादन और प्रकाशन शुरू किया। सप्रे जी द्वारा रचित कहानी 'टोकरी भर मिट्टी' को भारतीय साहित्य में हिन्दी की पहली मौलिक कहानी का गौरव प्राप्त है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सप्रे का व्यक्तित्व और कृतित्व साहित्यकारों और पत्रकारों सहित आम जनता के लिए भी प्रेरणादायक है।

सेंट्रल स्कूल 2 पालियों में चलाने बृजमोहन ने केंद्र को लिखा पत्र

रायपुर (ए)। पूर्व मंत्री एवं विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पत्र लिखकर रायपुर स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-2, दीनदयाल उपाध्याय नगर रायपुर में द्वितीय पाली में कक्षाएं आरंभ कराने हेतु अनुमति प्रदान करने के संबंध में पत्र लिखा है। बृजमोहन अग्रवाल ने अपने पत्र में कहा कि देश के सबसे तेज गति से विकसित होने वाली राज्यों में से एक छत्तीसगढ़ राज्य की राजधानी रायपुर, शिक्षा का प्रमुख केन्द्र है। यहां राष्ट्रीय स्तर के शासकीय/अशासकीय उच्च शैक्षणिक संस्थान पूर्व से स्थापित है, परंतु इंटरमीडियेट स्तर की शैक्षणिक संस्थाएं सीमित है। रायपुर में केन्द्रीय विद्यालय सिर्फ 3 है, जो 12 लाख की जनसंख्या के लिए अपर्याप्त है। यहां के सैकड़ों मध्यमवर्गीय पालकों के बच्चे केन्द्रीय विद्यालय में सीट के अभाव में शिक्षा हेतु महंगे निजी स्कूलों में प्रवेश लेने को मजबूर अथवा शिक्षा से वंचित हो रहे हैं। विधायक अग्रवाल ने पत्र में कहा कि केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-2. दीनदयाल उपाध्याय नगर रायपुर में वर्तमान में 2500 सीट उपलब्ध है तथा एक पाली में शैक्षणिक गतिविधियां चलती है। इस विद्यालय में द्वितीय पाली आरंभ करने हेतु लंबे समय से पालकों द्वारा मांग की जा रही है। द्वितीय पाली आरंभ करने से विद्यालय की वर्तमान संसाधन में ही अतिरिक्त 2500 सीट अर्थात् कुल 5000 सीट उपलब्ध हो सकेगा इससे हजारों जरूरतमंद बच्चे लाभान्वित होंगे।

एकता जन विकास समिति ने होनहार बच्चों को सम्मानित किया

रायपुर (ए)। एकता जन विकास समिति जो कि पंजीकृत संस्था है, जो समाज में शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए 17 जून को समाज के होनहार बच्चो को सम्मानित करने के लिए एक सम्मान-समारोह आयोजित किया गया। जिन छात्र-छात्राओं ने 10वीं एवं 12वीं की कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, उनका सम्मान किया गया। कायक्रम में मोहम्मद बिलाल, शिफा जहरा, समर अब्बास, अता जहरा, अहमद, तहुरा जमानी हैदरी, हमजा असगर, समीना रोबाब, मो. जवाद, इरफान रजा का सम्मान हुआ।इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में मौलाना हसन अब्बास, हाजी रज़ा हैदरी, इब्ने हसन, हाजी अकबर अली, शमीमुल हसन, हाजी जुल्फिकार हैदरी उपस्थित थे। समिति के सदस्यों द्वारा पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। प्रोग्राम में उपस्थित सभी विशेष अतिथियों द्वारा 10वीं और 12वीं के होनहार छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह एवं स्कूल बैग देकर सम्मानित किया गया।

छत्तीसगढ़ के कण-कण में बसी है संत कबीर की वाणीः मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

सद्गुरू कबीर स्मृति महोत्सव में शामिल हुए देश-प्रदेश से आए साधु-संत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल डॉ. अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के अटल बिहारी वाजपेयी ऑडिटोरियम में आयोजित सद्गुरू कबीर स्मृति महोत्सव में शामिल हुए। श्री बघेल ने कहा कि आज इस कार्यक्रम में अनेक संतों को एक साथ देखकर सुख की अनुभूति हो रही है। यहां लोगों के दिलों में संत कबीर बसे है। छत्तीसगढ़ के कण-कण में संत कबीर की वाणी बसती है। उन्होंने कबीर आश्रमों, जिन्हें अब तक अनुदान प्राप्त नहीं हुआ है, को 5-5 लाख रूपए प्रदान करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनियाभर में सबसे ज्यादा साधु-संत भारत देश में अवतरित हुए हैं। समाज में साधु-संत वर्तमान समस्याओं को हल करने और उसके उत्तर देने वाले होते हैं। अलग-अलग संत के विचार भिन्न हो सकते हैं। आज किसी की तबियत खराब हो जाए तो वह डॉक्टर, वैद्य या किसी हकीम के पास जाकर अपना इलाज करवा लेता है। जब कोई व्यक्ति मन से बीमार हो जाए, तो उसका समाधान साधु संत-गुरू करते है।

उन्होंने कहा कि बच्चे जब बड़े होते है तो उन्हें लगता है कि 12वीं पास कर लूं, उसके पश्चात कॉलेज जाने में सुख है, कॉलेज के बाद नौकरी का सुख, फिर घर-गृहस्थी (परिवार) का सुख और आखिरी में वह श्मशान पहुंच जाता है, तब भी उसे सुख हासिल नहीं हो पाता। आज के समय में कोई व्यक्ति खुश नहीं है, सभी को सुख की तलाश है। लोगों को आज अच्छा भोजन, नए कपड़े और आधुनिक सुख-समृद्धि चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज संत कबीर तो नहीं है, लेकिन उनके संदेशों को आगे बढ़ाने वाले संतों का सानिध्य प्राप्त करके उनके बताए रास्ते पर चल सकते है। संतों के विचारों को अपने जीवन में उतारे और आनंदपूर्वक जीवन व्यतीत करें। आज किसी को दुखी होने की जरूरत नहीं है, लोग बाहर सुख की तलाश करते है जबकि सुख तो हमारे अंदर ही व्याप्त है।

महोत्सव का आयोजन सद्गुरू कबीर विश्व शांति मिशन, छत्तीसगढ़ संत संगठन की ओर से किया गया। महोत्सव में पद्मश्री मदन सिंह चौहान ने भजनों की प्रस्तुति दी। महोत्सव में अतिथि के रूप में पूर्व विधायक गुरूमुख सिंह होरा शामिल हुए। कबीर स्मृति महोत्सव में देशभर से आए संत शामिल हुए। इनमें बाराबंकी (उ.प्र.) से आए संत निष्ठा साहेब, खरसिया के संत सुधाकर शास्त्री, कबीरमठ नादिया के आचार्य मंगल साहेब, दूधाधारी मठ के महंत रामसुंदर दास, दामाखेड़ा परम्परा प्रतिनिधि रविकर साहेब, जागु साहेब परम्परा प्रतिनिधि संतजन, दयानाम साहेब परम्परा प्रतिनिधि संतजन, सद्गुरू कबीर विश्व शांति मिशन से संत गुरूजन एवं साध्वीजन शामिल हुए।

यातायात विभाग के शिविर में 123 स्कूल बसों की हुई जांच

रायपुर (ए)। स्कूल खुलने से पहले रायपुर की यातायात पुलिस ने एक बार फिर स्कूल बसों की फिटनेस व मैकेनिकल जांच के लिए शिविर आयोजित किया। इस शिविर में 27 स्कूलों की 123 बसों की जांच हुई। इसके अलावा ड्राइवरों के लिए भी स्वास्थ्य व नेत्र परिक्षण शिविर आयोजित हुआ। इससे पहले भी यातायात विभाग ने जांच शिविर आयोजित किया था, जिसमे 599 बसों की जांच हुई थी। पिछले शिविर में जिन शैक्षणिक संस्थानों की बसें नहीं पहुंची थीं, उन्हें 18 जून को जांच शिविर में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए थे। रायपुर जिले के 27 शैक्षणिक संस्थानों से 123 बसे शिविर में पहुंचीं, जिनका यातायात पुलिस व परिवहन विभाग के अधिकारी कर्मचारियों ने दस्तावेज परीक्षण किया। साथ ही एमटी शाखा अमलेश्वर दुर्ग व रायपुर के इंजीनियर व मैकेनिकों ने मेकनिकाल जांच की, जिसमें उपस्थित सभी बसें फिट पाई गई। इसके अलावा सभी चालकों का जिला अस्पताल रायपुर से डॉक्टर ऊर्जा गर्ग, डॉ अपूर्वा चंद्राकर की टीम एवं ए एस जी आई अस्पताल शंकर नगर रायपुर से डॉक्टर विनोद एवं टीम ने स्वास्थ्य व नेत्र परीक्षण किया। जिनमे 8 बस चालकों को मधुमेह व उच्च रक्तचाप से पीड़ित होना पाया गया।

छत्तीसगढ़ में गर्मी का कहर बरकरार सक्ती और रायगढ़ रहा सबसे गर्म

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर सहित प्रदेशभर के लोगों को गर्मी से राहत मिलती नहीं दिखाई दे रही है। आंकड़ों के अनुसार रविवार को पिछले तीस वर्षों में रायपुर के औसत तापमान से सात डिग्री तक ज्यादा है। वहीं, न्यूनतम तापमान भी औसत से पांच डिग्री ज्यादा रहा। वहीं, प्रदेशभर के औसत तापमान में राजनांदगांव में अधिकतम तापमान सामान्य से 10 डिग्री सेल्सियस तक अधिक है। वहीं, अगले दो दिनों तक गर्मी से लोगों को राहत मिलती नहीं दिखाई दे रही है। 21-22 जून से लगभग प्रदेशभर में प्री-मानसून की बारिश होना संभवमौसम विभाग के अनुसार दो दिनों तक अधिकतम तापमान में कोई विशेष बदलाव होने की संभावना नहीं है। जबकि दो दिनों के बाद प्रदेश के लगभग सभी हिस्सों में प्री मानसून की बारिश होने की संभावना। इसी बीच रविवार को प्रदेश में सर्वाधिक तापमान सक्ती और रायगढ़ में 45.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान नारायणपुर में 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा प्रदेश के एक दो स्थानों में हल्की वर्षा भी देखने को मिली। जिसमें सर्वाधिक वर्षा बस्तर के तोकापाल में तीन सेमी वर्षा दर्ज की गई।

मानसून की गतिविधियां दो दिनों में होंगी तेज

वर्तमान में मानसून दक्षिण की ओर से और दक्षिण-पश्चिम की ओर से प्रवेश कर रहा है। ऐसे में दोनों ही दिशाओं से मानसून के आने की वजह से प्रदेश के सभी हिस्सो में मानसून की गतिविधियां तेज होने की संभावना है। इसकी वजह से पूरे प्रदेशभर में मानसून की गतिविधियां तेज होने के साथ ही बारिश के आसार भी बन रहे हैं।

जगदलपुर में लगातार दो दिनों से प्री मानसून हावी

मानसून दक्षिण की ओर से छत्तीसगढ़ में प्रवेश करता ही है, लेकिन अब तक आंध्रप्रदेश और तेलंगाना को मानसून ने पूरी तरह से कवर नहीं किया है। फिर भी मानसून की गतिविधियां तो वहां तेज हो ही गई हैं और दो दिनों से यानी कि शनिवार और रविवार को बारिश देखने को मिल रही है। ऐसे में जल्द ही प्रदेश के लोगों को भी इससे राहत मिलने की संभावना है।

इन जिलों में चली ग्रीष्म लहर

अधिकतम तापमान में वृद्धि की वजह से प्रदेश के कई जिलों में ग्रीष्म लहर चली। जिसमें राजनांदगांव, रायपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर, दुर्ग, पेंड्रा रोड, बलौदा बाजार, महासमुंद, रायगढ़, जांजगीर, मुंगेली, जशपुर भी शामिल है।

राज्य के ब्लड बैंक को उन्नत बनाने की आवश्यकताः डॉ. नागरकर

रायपुर (ए)। प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थित ब्लड बैंक्स के अधिकारियों और कर्मचारियों को एसओपी और गाइडलाइंस की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के तत्वावधान में राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें प्रमुख रूप से रोगियों की बढ़ती आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ब्लड बैंक को उन्नत बनाने पर जोर दिया गया।

कार्यशाला में प्रतिभागिता कर रहे रायपुर, बेमेतरा, बालोद, बलौदाबाजार, कवर्धा, राजनांदगांव, गरियाबंद के लगभग 50 चिकित्सा अधिकारियों, ब्लड ट्रांसफ्यूजन अधिकारियों और तकनीशियन को संबोधित करते हुए निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की मदद से ब्लड बैंक की सेवाओं को तीव्र गति प्रदान की जा सकती है और उन्हें आधुनिक आवश्यकतों के लिए तैयार किया जा सकता है।

अधिष्ठाता (शैक्षणिक) प्रो. आलोक चंद्र अग्रवाल ने रोगियों की आवश्यकतानुसार रक्ताधान सेवाओं को बेहतर करने और विपरीत रिएक्शन से सुरक्षित रखने के लिए एसोपी और गाइडलाइन का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने इम्यूनोमिटोलॉजिकल प्रक्रियाओं, एंटीबॉडी स्क्रीनिंग, कंपोनेंट को प्रिजर्व करने, पीआरपी घटक निर्माण, ब्लड बैग के रख-रखाव के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर छोटे बच्चों में रक्ताधान की चुनौतियों के बारे में भी बताया गया। दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन एम्स के ब्लड बैंक विभागाध्यक्ष डॉ. संकल्प शर्मा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के डॉ. संदीपन भोस्कर और एड्स कंट्रोल सोसाइटी के अतिरिक्त निदेशक डॉ. खेमराज सोनवानी के संयुक्त प्रयासों से किया गया। ब्लड बैंक के तत्वावधान में रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया जिसमें स्वयंसेवकों ने 50 यूनिट रक्तदान किया। इसमें एम्स के कर्मचारियों, एनआईटी रायपुर और साइंस कालेज के एनसीसी कैडेट्स ने प्रमुख रूप से रक्तदान किया।

प्राथमिक कृषि सहकारी संस्थाओं के कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त

किसानों के हित को देखते हुए काम पर लौटने का लिया निर्णय

सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम से मुलाकात कर की हड़ताल खत्म

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश की प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं के कर्मचारियों ने किसानों के हित को देखते हुए एक जून से जारी अपनी हड़ताल को समाप्त करने का निर्णय लिया है। सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम से उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ प्रदेश सहकारी कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर अपनी मांगों के संबंध में चर्चा की। मंत्री डॉ. टेकाम ने प्रतिनिधि मंडल से किसानों के हित में ऋण, खाद, बीज आदि के वितरण को सुनिश्चित करने के लिए तत्काल हड़ताल वापिस लेने की समझाईश दी।

डॉ. टेकाम ने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि समितियों से संबद्ध कृषकों को ऋण, खाद-बीज का वितरण में किसी भी प्रकार की बांधा नहीं आए। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता कृषकों को सभी प्रकार की सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध कराना है। मंत्री डॉ. टेकाम की समझाईश से सहमत होकर छत्तीसगढ़ प्रदेश सहकारी कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि मंडल ने हड़ताल वापिस लेते हुए प्रदेश सरकार और मंत्री डॉ. टेकाम को धन्यवाद ज्ञापित किया।

सहकारिता मंत्री डॉ. टेकाम ने प्रतिनिधि मंडल से चर्चा के दौरान प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति के कर्मचारियों को वेतन नियमित रूप से मिलने की व्यवस्था के लिए आश्वास्त किया और विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मंत्री डॉ. टेकाम ने बताया कि वेतन में बढ़ोतरी के संबंध में समिति कर्मचारियों के सेवानियम में संशोधन के लिए अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक की अध्यक्षता में पूर्व से ही समिति गठित है, इस कमेटी के रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत होने पर विभाग द्वारा कार्यवाही की जाएगी।

मंत्री डॉ. टेकाम ने बताया कि समिति के कर्मचारियों के लिए जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक कैडर के समिति प्रबंधक के पदों में से 50 प्रतिशत पर प्राथमिक समितियों के कर्मचारियों के आरक्षित किए गए हैं और समिति कर्मचारियों के लिए उम्र सीमा 55 वर्ष तक की गई है। इस पद के लिए 7 वर्ष का अनुभव रखने वाले कर्मचारी व्यापम के माध्यम से आयोजित परीक्षा में भाग ले सकते हैं। समिति कर्मचारी प्रतिनिधियों द्वारा वेतन अनुदान शासन से दिलाने की मांग करते हुए, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मिलने का आग्रह किया गया। मुख्यमंत्री कार्यालय से समन्वय कर कर्मचारी प्रतिनिधियों को मुख्यमंत्री से मुलाकात कराने आश्वास्त किया गया।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश सहकारी कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष प्रकार सिंह, प्रांतीय संयोजन संतोष साहू, प्रांतीय महासचिव अरूण बेहरा, प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज साय सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटरप्यूरीफायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

इतने देर तक ही दांतों पर रगड़ना चाहिए ब्रश, नहीं तो झड़ सकते हैं दांत

हम शारीरिक रूप से स्वस्थ्य हैं या नहीं यह काफी ज्यादा महत्व रखता है ठीक उसी तरह हमारा ओरल हेल्थ भी मायने रखता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अगर आप मुंह को ठीक ढंग से साफ नहीं करेंगे तो दिल की बीमारी का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में यह सबसे जरूरी है कि आप अपने फिटनेस से लेकर यानि हेल्थ से लेकर ओरल हेल्थ की सफाई काफी ज्यादा जरूरी है। कुछ लो ऐसे भी हैं जिन्हें काफी देर तक ब्रश करना पसंद है क्योंकि उन्हें लगता है कि देर तक ब्रश रगड़ने से दांत साफ हो जाता है। लेकिन आपकी जानकारी के लिए बता दें कि यह कॉमन सी दिखने वाली गलितयां आपके लिए नुकसानदायक हो सकती है।

दांतों को साफ रखने के फायदें

सही तरीके से अगर आप ब्रश करते हैं तो दांतों में प्लाक की दिक्कत नहीं हो सकती है।

- दांतों की कैविटी को वक्त रहते रोका जा सकता है।
- मसूड़ों से जुड़ी बीमारियों को वक्त रहते रोका जा सकता है।
- ओरल कैंसर का जोखिम भी कम रहता है।

कितनी देर तक ब्रश करना चाहिए

रिपोर्ट के मुताबिक रोजाना एक दिन में 2 बार ब्रश करना चाहिए। साथ ही 2 मिनट से ज्यादा ब्रश नहीं करना चाहिए। अगर आप इससे ज्यादा देर तक अपने दातों पर रगड़ते रहेंगे तो दांतों में जमा प्लाक को हटा नहीं पाएंगे। 2009 में आई एक रिसर्च के मुताबिक कुछ लोग ब्रश करने में सिर्फ 45 सेकेंड लेते हैं। ऐसा करने से आपके दांत का इनैमल खराब हो जाता है।

किस तरह का टूथब्रश दांतों के लिए अच्छा होता है

दांतों को साफ करने के लिए हमेशा सॉफ्ट ब्रिसल्स वाले टूथब्रश कै ही इस्तेमाल करना चाहिए। हार्ड ब्रिसल्स की वजह से दांतों को इनैमल खराब हो सकते हैं। साथ ही मसूड़ों में भी दिक्कत शुरू हो सकती है। इसलिए अगर ब्रश के ब्रिसल्स खराब होने लगे तो उसे तुरंत ठीक करवाएं।

कैसा टूथपेस्ट इस्तेमाल करना चाहिए?

ऐसा टूथपेस्ट का इस्तेमाल करना चाहिए जिसमें फ्लोराइड की मात्रा एकदम सही हो। एडल्ट लोगों के टूथपेस्ट में 1350 पीपीएम फ्लोराइड होना चाहिए। वहीं 6 साल से कम उम्र के बच्चे के टूथपेस्ट में 1000 पीपीएम फ्लोराइड होना चाहिए। 3-6 साल के बच्चों के मटर के दाने के इतना ही टूथपेस्ट देना चाहिए।

ब्रश करने के बाद माउथवॉश का इस्तेमाल करना सही है?

अगर आप फ्लोराइड वाले माउथवॉश का इस्तेमाल करते हैं तो दांतों में सड़न की समस्या से छुटकारा मिल जाएगा। लेकिन ब्रश के तुरंत बाद माउथवॉश का इस्तेमाल न करें क्योंकि टूथपेस्ट का इस्तेमाल करने के बाद दांतो पर जो फ्लोराइड जमता है माउथवॉश उसे बहा ले जाता है।

चेहरे पर चाहिए नेचुरल निखार तो सिर्फ नींबू से बन जाएगा आपका काम

सुंदर दिखने की चाहत हर महिला को होती है। ऐसे में महिलाएं अक्सर चेहरे की खूबसूरती निखारने के लिए ब्यूटी पार्लर जाती हैं। जहां मोटे पैसे भी लगते हैं और केमिकल युक्त प्रोडक्ट इस्तेमाल करने से साइड इफेक्ट भी होता है। वही पार्लर जाना हर किसी के लिए पॉसिबल भी नहीं होता। ऐसे में हम आपको एक बहुत ही पुराना और आजमाया हुआ नुस्खा बता रहे हैं जिसके इस्तेमाल से आप बेदाग और निखरी हुई त्वचा पा सकते हैं। नींबू में विटामिन सी की मात्रा पाई जाती है, जो चेहरे का ग्लो बढ़ाने के लिए जाना जाता है। आप घर में नींबू की मदद से स्क्रबिंग, मसाज सब कुछ लगा सकते हैं। कुल मिलाकर आपका बढ़िया क्लीनअप हो सकता है। आइए जानते हैं क्या है पूरा तरीका।

स्क्रबिंग:- बेदाग और साफ त्वचा के लिए चेहरे की स्क्रबिंग करना बहुत जरूरी होता है। आप नींबू के इस्तेमाल से स्क्रबिंग कर सकते हैं। इससे चेहरे की डीप क्लीनिंग होने में मदद मिलेगी। इसके लिए आप एक कटोरी में एक नींबू का रस निचोड़ लें। इसमें एक चम्मच शहद और एक चम्मच चीनी मिलाकर मिश्रण को चेहरे पर लगाएं। 5 मिनट तक चेहरे पर हल्के हाथों से स्क्रब करें 10 मिनट के बाद चेहरे को पानी से धो ले।

मसाज:- स्क्रबिंग के बाद आपके चेहरे को पैंपर की जरूरत होती है। इसके लिए आप नींबू की मदद से ही चेहरे की मसाज करें। इसके लिए एक कटोरी में एक चम्मच नींबू का रस दो चम्मच ऐलोवेरा जेल डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें। इसे अपने चेहरे पर 5 से 10 मिनट तक सर्कुलेशन मोशन में मसाज करें। इससे चेहरे का ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होगा। त्वचा में निखार भी आएगा और आपकी त्वचा हाइड्रेट भी होगी।ड्राई स्किन की समस्या से छुटकारा मिलेगा

फेस पैक:- अब सबसे आखिर में बारी आती है मसाज की आप नींबू और बेसन का फेस पैक लगाकर चेहरे की रंगत सुधार सकते हैं। इसके लिए एक कटोरी में दो चम्मच बेसन एक चम्मच नींबू का रस, एलोवेरा जेल डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें। इस पैक को अपने चेहरे पर 15 मिनट लगा कर रखें। जब यह पैक सुख जाए तो आप इसे सादे पानी से साफ कर लें।

रॉयल ब्लू ड्रेस पहन निकिता दत्ता ने ग्लैमरस लुक्स से बरपाया कहर हॉटनेस देख घायल हुए फैंस

कबीर सिंह फेम निकिता दत्ता अपने स्टाइलिश फैशन स्टेटमेंट्स के कारण अक्सर लाइमलाइट में रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की झलक दिखाई है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस की हॉटनेस थमने का नाम नहीं ले रही हैं। एक्ट्रेस निकिता दत्ता आए दिन अपनी खूबसूरती के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। उनका लेटेस्ट लुक्स हमेशा फैंस के बीच ट्रेंड करता है और अपनी सेंशुअस अदाओं से हमेशा फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा देती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की है। इन फोटोज में उनका सेक्सी अवतार देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं और उनके लुक्स पर से निगाहें हटाने का नाम नहीं ले रहे हैं। निकिता दत्ता ने अपनी इन तस्वीरों में ब्लू कलर का स्टाइलिश बॉडीकॉन ड्रेस पहना हुआ था। अपने बालों का स्टाइलिश बन बनाकर साथ ही हल्की सी झुलफें बिखेर कर और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने लुक को बखूबी से निखारा है। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को फैंस जमकर लाइक्स और कॉमेंट कर रहे हैं। हालांकि लोग उनके स्टाइल को फॉलो भी करते हैं। बता दें कि एक्ट्रेस ने कबीर सिंह में जिया शर्मा का रोल निभाकर फैंस का दिल जीत लिया था।

भूलकर भी ना करें किसी और की कंघी का इस्तेमाल, बालों को हो सकता है भारी नुकसान

ऐसा शायद आपके साथ भी कभी ना कभी हुआ हो कि आप किसी पार्टी या फंक्शन में गईं हो और अपने बालों को संवारना हो लेकिन आप अपनी कंघी ले जाना भूल गई। ऐसे में आप अपनी सहेली से कंघी मांगती हैं और उसकी इस्तेमाल की हुई कंघी अपने बालों में इस्तेमाल करती हैं। आप ऐसा करके खुश तो हो जाती हैं कि आपके बालों की स्टाइलिंग हो गई अब आप वापस से खूबसूरत दिखने लगीं। लेकिन आपको बता दें कि ऐसा करना बिलकुल भी सही नहीं होता है।

एक दूसरे की कंघी इस्तेमाल करने से क्या होता है

एक दूसरे की कंघी इस्तेमाल करने से सबसे बड़ा खतरा जो उतपन्न होता है वो है जूं का। अगर एक ही हेयरब्रश या कंघी का इस्तेमाल 2-3 लोग करते हैं तो उससे दाद, फंगस, खुजली और कभी-कभी एक स्टाफ संक्रमण फैल सकता है। दाद से स्कैल्प को नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए अगर आप किसी ऐसी सहेली की कंघी इस्तेमाल कर रहीं हैं जिसे दाद जैसी समस्या है तो आप अब सावधान हो जाएं क्योंकि ऐसा करने से आपको रैशेज हो सकता है, आप गंजेपन की शिकार हो सकती हैं, स्कैल्प की त्वचा पर रूखापन आ सकता है और बाल टूटने जैसी समस्या हो सकती है। इसलिए कहीं पर भी किसी की भी कंघी इस्तेमाल करने से बचें या फिर अगर कहीं इस्तेमाल करना ही पड़

जाए तो इस बात को ध्यान जरूर दें कि उस कंघी की सफाई की गई है कि नहीं।

बल्ड सर्कुलेशन को ठीक करता है सही तरीके से कंघी करना

एक्सपर्ट का कहना है कि सही तरह से कंघी का इस्तेमाल सिर्फ उलझे बालों को सुलझाने या फिर बालों को स्टाइल देने के लिए ही नहीं किया जाता है, बल्कि कंघी अगर सही तरीके से की जाए तो इससे बालों का टेक्सचर बनता है। इसलिए कंघी करने से पहले इसके सही तरीके को जानना बहुत जरूरी है। दिन में दो से तीन बार कंघी करनी चाहिए। इससे बाल चमकदार और मुलायम बनते हैं।

गीले बालों में ना करें कंघी

हेयर एक्सपर्ट सुवर्णा त्रिपाठी के अनुसार, इस बात का ध्यान देना सबसे ज्यादा जरूरी है कि कभी भी गीले बालों में कंघी ना करें, क्योंकि बाल जब गीले होते हैं तो वह बहुत नाजुक होते हैं ऐसे में अगर कंघी का इस्तेमाल किया जाए तो वह टूटने लगते हैं।

हेयर सीरम का इस्तेमाल होता है फायदेमंद

हेयर सीरम आपके बालों को मजबूती देता है और उसे सपोर्ट करता है, इसीलिए बालों की कंघी करने से पहले सीरम का इस्तेमाल जरूर करें। सीरम को हाथों में लें और अच्छी तरह अपने बालों में लगाए खासकर बाल के मध्य और निचले हिंस्सो पर।

बाल को बीच से डिवाइड करके कंघी करें

अपने बालों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांट लें और फिर चौड़े दांत वाली कंघी से बाल को झाड़े। इससे आपको कंघी करने में भी आसानी होगी और बाल टूटेंगे भी नहीं।

बालों के साथ जबरदस्ती ना करें

बालों में कंघी करने का सही तरीका तब होता है जब बाल पूरी तरीके से सूख जाएं। अगर बाल रूखें हैं तो पहले सीरम लगाएं और हलके हाथ से मसाज करें फिर बाल में पड़ी गांठ को धीरे-धीरे कंघी या उंगलियों से सुलझाएं। इसके बाद बालों में टॉप टू बॉटम कंघी करें।

घर की सफाई करने में आता है आलस

अपनाए ये 6 तरीके, बिना मेहनत अपने आशियाने को रखे नीट एंड क्लीन

घर में साफ सफाई की जिम्मेदारी मुख्यता घर की औरतों पर होती है। उन्हें ही घर को सजाने, उसे साफ रखने के लिए जिम्मेदार माना जाता है। हालाकि, इन दिनों ज्यादातर महिलाएं हाउस हेल्प या काम वाली लगाती है। हालाकि, मुश्किल तब बढ़ जाती है जब आपके पास कोई काम वाली नहीं हो और आप आलसी हो। खुद कुछ काम करना नहीं पसंद करती हो। ऐसे में घर को साफ कैसे रखा जाए ये एक बड़ी चुनौती बन जाता है। ऐसे में हम आपकी मदद कर देते है। आज हम आपको 6 कारगर तरीके बताने जा रहे है जिनकी मदद से आप बड़ी आसानी से आपने घर की सफाई कर सकती है। तो चलिए जानते है इनके बारे में...

सुबह उठने के साथ ही करें बिस्तर ठीक

सुबह उठने के बाद सबसे पहला काम करे बिस्तर को ठीक करना। केवल बेड के व्यवस्थित रहने से ही आधा बेडरूम अपने आप ही साफ नजर आने लगता है।

घर में कम सामान रखें

घर में जितना ज्यादा सामान होता है उतना ही साफ सफाई का झंझट होता है ऐसे में आप उन चीजों को खरीदें जो कम जगह घेरता हो और एक साथ 2 से ज्यादा काम में आए। ऐसा करने से आपका पैसा भी बचेगा और सफाई की टेंशन से भी छुटकारा मिलेगा।

डोरमेट का इस्तेमाल करें

डोरमेट बाहर की गंदगी को घर में प्रवेश करने से रोकने का कारगर तरीका है। इसे आपको महीने में सिर्फ एक बार धोने की जरूरत होती है। हमेशा घर में कम से कम तीन डोरमेट रखें। इससे सफाई लंबे समय तक टिकी रहेगी और डोरमेट भी जल्दी गंदा नहीं होगा।

डस्ट मोब स्लिपर का करे इस्तेमाल

यदि आपको रोज झाड़ू लगाने के आलस आता है तो आप घर के फ्लोर को साफ करने के लिए डस्ट मोब स्लीपर का इस्तेमाल करें। इससे आप बिना एक्स्ट्रा मेहनत के आसानी से घर की सारी डस्ट साफ कर सकता हैं।

खाना बनाने के साथ-साथ करें सफाई

खाना बनाते समय ही किचन की सफाई कर लेने से समय की बचत होती है। साथ ही आपको अलग से काम करने की आवश्यकता भी नहीं पड़ती है।

फ्रिज मेट यूज करें

फ्रिज को साफ करना एक बोरियत भरा काम होता है ऐसे में आप फ्रिज मेट का इस्तेमाल करें। यह वाटरप्रूफ और ऑयल प्रूफ तो होते ही हैं साथ ही इनको साफ करना भी बेहद आसान होता है।

डीपनेक ब्लाउज पहन निक्की तंबोली ने गिराई हुस्न की बिजलियां, फोटो देख हैरत में फैंस

बिग बॉस फेम निक्की तंबोली आए दिन अपने बोल्ड अंदाज से सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए जमकर अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हाल ही में निक्की ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों से सोशल मीडिया का पारा हाई कर दिया है। एक्ट्रेस निक्की तंबोली एक बार फिर से अपने हॉट और बोल्ड लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर चर्चाओं का विषय बन गई हैं। वो हर बार अपने लुक्स से इंटरनेट पर खलबली मचाती रहती हैं। निक्की का हर एक अंदाज फैंस के बीच ट्रेंड करता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की कुछ ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टा पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में अभिनेत्री निक्की ने स्टाइलिश लहंगा और डीपनेक टॉप लुक में ब्लाउज पहना हुआ है। अभिनेत्री अपनी इन तस्वीरों में एक से बढ़कर एक कातिलाना अंदाज में जबरदस्त पोज देती हुई नजर आ रही हैं। हालांकि निक्की की इन तस्वीरों पर फैंस के भी कॉमेंट्स के जरिए काफी अच्छे रिस्पॉन्स देखने को मिल रहे हैं। एक यूजर ने निक्की तंबोली की फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- हॉट, तो वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है- सो ब्यूटीफुल। बताते चलें कि ओपन हेयर, मिनिमल मेकअप और न्यूड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने अपन आउटलुक कंप्लीट किया है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135, NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

छग शासन ने 13 पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों के तबादले ईओडब्ल्यू में किए

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने कई अधिकारियों व पुलिस कर्मचारियों का तबादला एसीबी/ईओडब्ल्यू में कर दिया है। सरकार द्वारा जारी सूची में 13 पुलिस अधिकारी/कर्मचारी शामिल हैं। ये सभी अब अपनी सेवाएं एसीबी/ईओडब्ल्यू ऑफिस रायपुर में देंगे। सामान्य प्रशासन विभाग के अवर सचिव पुलक भट्टाचार्य द्वारा जारी आदेश के अनुसार सीडी तिर्की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक छसबल पुलिस मुख्यालय, अजय शर्मा उपपुलिस अधीक्षक, सुभाषचन्द्र बोस छत्तीगसढ़ पुलिस राज्य पुलिस अकादमी चन्द्रखुरी रायपुर, सुरेश कुमार ध्रुव उपपुलिस अधीक्षक जिला रायपुर, रमेश मरकाम उपपुलिस अधीक्षक जिला बलरामपुर, कृष्णकुमार पटेल उपपुलिस अधीक्षक जिला धमतरी, सत्यप्रकाश तिवारी उपपुलिस अधीक्षक जिला रायपुर, हरविंदर सिंह निरीक्षक जिलाबल बिलासपुर, राहुल तिवारी निरीक्षक जिला गरियाबंद, विवेक सेंगर निरीक्षक जिलाबल दंतेवाड़ा, प्रणाली कुमारी वैद्य निरीक्षक जिलाबल धमतरी, शरदकुमार चन्द्रा निरीक्षक जिलाबल रायगढ़, चितरंजन साहू उपनिरीक्षक जिला बीजापुर एवं जितेन्द्र कुमार कुर्रे जिला कोण्डागांव। अवर सचिव द्वारा जारी आदेश छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेष बघेल से अनुमोदन प्राप्त करने के उपरांत ही जारी किया गया है। जारी आदेश में उक्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जल्द से जल्द ईओडब्ल्यू में पदभार एवं कार्यभार संभालने का आदेश दिया गया है।

लू से बचने के लिए स्वास्थ्य विभाग के उपाय को अपनाएं

सारंगढ़ बिलाईगढ़। भीषण गर्मी को देखते हुए लू से बचाव हेतु सभी नागरिकों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी गाइडलाइन एवं घरेलु उपायों का पालन करनी चाहिए। गर्मी के मौसम में लू लगने से बीमार होने के अनेक मामले आते हैं। कुछ जरूरी सावधानियां अपनाकर इससे बचा जा सकता है। ग्रीष्म ऋतु में लू चलना आम बात है। इस मौसम में तेज धूप एवं गर्मी के कारण लू लगने की संभावना रहती है। लू लगने का प्रमुख कारण शरीर में नमक और पानी की कमी होना है। पसीने के रूप में नमक और पानी का बड़ा हिस्सा शरीर से बाहर निकल जाता है और खून में गर्मी बढ़ जाती है। लू लगना खतरनाक एवं जानलेवा भी हो सकता है। लू के लक्षण :- बहुत तेज बुखार आना, सिर भारी लगना, पसीना नहीं आना, उल्टी होना, हाथ-पैर में दर्द होना, त्वचा का सूखा, गर्म व लाल होना, चक्कर एवं बेहोशी आना इसके लक्षण हैं। लू से बचने के उपाय :- लू से बचाव के लिए अधिक से अधिक पानी पियें। यदि प्यास न लगी हो तो भी पानी पिये ताकि शरीर में पानी की कमी से होने वाली बीमारियों से बचा जा सकें। हल्के रंग के पसीना शोषित करने वाले वस्त्र पहनें। गर्मी के दिनों में शीघ्र पचने वाला भोजन करना चाहिए। धूप में गमछे, चश्मा, छाता, टोपी व पैरों में चप्पल का उपयोग अवश्य करें। धूप में निकलना हो तो खाली पेट घर से बाहर न निकलें। अगर आप खुले में कार्य करतें हैं तो सिर, चेहरा, हाथ-पैरों को गीले कपड़े से ढ़के रहें। लू से प्रभावित व्यक्ति को छाये में लिटाकर सूती गीले कपड़े से पोछे अथवा नहलायें। यात्रा करते समय पीने का पानी अवश्य साथ रख लें, गीले कपड़े को अपने चेहरे, सिर और गर्दन पर रखे। शराब, चाय, काफी जैसे पेय पदार्थों का इस्तमाल न करे यह शरीर को निर्जलित कर सकते है।

मोदी सरकार की योजनाओ से गरीबों के जीवन में आया क्रांतिकारी परिवर्तन

दुर्ग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी सरकार के उपलब्धि भरे 9 साल पूरे होने पर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार पूरे देशभर में किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के तहत आज मोदी सरकार की प्रमुख योजनाओं का लाभ लेने वाले लाभार्थियों का चंद्राकर कुर्मी भवन मीनाक्षी नगर वार्ड 53 में दुर्ग शहर विधानसभा स्तरीय लाभार्थी सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे पीएम आवास,आयुष्मान योजना,उज्ज्वला योजना,गरीब कल्याण अन्न योजना,जन धन योजना,मुद्रा लोन,फ्री वैक्सीन,शौचालय योजना जैसे योजनाओ का लाभ लेने वाले हितग्राहियों का सम्मान किया गया इस कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा महामंत्री व लोकसभा सह संयोजक श्री दयावान बांधे जी विशेष रूप से उपस्थित रहे इस अवसर पर जिला भाजपाध्यक्ष जितेंद्र वर्मा,पूर्व विधायक सांवला राम डाहरे पूर्व महापौर श्रीमती चंद्रिका चंद्राकर,श्रीमती उषा टावरी जिला महामंत्री सुरेंद्र कौशिक नेता प्रतिपक्ष अजय वर्मा,कांतिलाल बोथरा जिला उपाध्यक्ष कांति लाल जैन विनायक नातू राजेंद्र पाध्ये, विजय ताम्रकार मदन वड़ाई सुनील अग्रवाल साजन जोसफ विशेष रूप से मौजूद थे आयोजित कार्यक्रम में शहर के विभिन्न वार्डो से आए श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया सम्मेलन में लाभार्थियों ने योजना के लाभ के बाद अपने जीवन में आए व्यापक परिवर्तन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आशीर्वाद देते हुए भाजपा सरकार की योजनाओं को क्रांतिकारी बताया।

जिला एवं विकासखंड स्तरीय ग्रीष्म कालीन खेल प्रशिक्षण शिविर संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। जिला प्रशासन तथा खेल एवम् युवा कल्याण महासमुंद द्वारा जिला एवं विकासखंड स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर महासमुंद में संपन्न किया गया। शिविर में तैराकी, बैडमिंटन, कबड्डी, वॉलीबॉल, बॉल बैडमिंटन, बॉस्केटबॉल, नेटबॉल, हैंडबॉल, शतरंज, खो खो, सॉफ्टबॉल, तीरंदाजी, वेट लिफ्टिंग, योगा, रग्बी, हॉकी, एथेलेटिक्स, फुटबॉल, कराते, ताइक्वांडो इत्यादि खेलों का प्रशिक्षण खिलाड़ियों को दिया गया। जिले भर में खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ समर कैंप में भाग लिया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि अध्यक्ष नगर पालिका परिषद महासमुंद श्रीमति राशि त्रिभुवन महिलांग, सभापति जनपद पंचायत रमाकांत ध्रुव, खेल अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद मनोज कुमार धृतलहरे, खेल संघों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर एसडीएम महासमुंद उमेश साहू मौजूद थे। अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद श्रीमती राशि महिलांग ने अपने उद्बोधन में इस आयोजन के लिए बधाई देते हुए बच्चों को आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि समर कैंप में जो सीखा उसे जीवन में लागू करे। पालकों को धन्यवाद दिया की बच्चों को प्रशिक्षण के लिए भेजा। पालकों के आने से बच्चों को सिखाएं जा रहे कौशल देखने को मिलता है एवं बच्चों का उत्साहवर्धन होता हैं। जिले के खिलाड़ी प्रदेश का नाम रौशन करें। खेल में तरक्की हो रहा हैं इसके लिए खेल अधिकारी को बधाई दी गई। बच्चों के लिए दो शब्द में कहा कि जब तक न सफल हो, निंद चैन को त्यागो तुम, संघर्ष का मैदान छोड़कर, मत भागों तुम।

यूं ही किसी की जय जय कार नहीं होती, संघर्ष करने वालो की कभी हार नहीं होती। बच्चों को सीखने के लिए प्रशिक्षक काफी मेहनत करते है इसके लिए प्रशिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए सम्मानित किया गया। समापन समारोह में योगा का प्रर्दशन सत्य नारायण एवं नंदनी ध्रुव के नेतृत्व में खिलाड़ियों ने बेहतर योग आसन किया। योगा के अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी तिलक साहू स्वर्ण पदक विजेता, गुणवंत साहू स्वर्ण पदक विजेता, देवेंद्र दिवान कांस्य पदक विजेता, कु.तेजश्विनी चंद्राकर कांस्य पदक विजेता को राशि महिलांग ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कराते खेल में आनंद वैष्णव एवं अभय दास के नेतृत्व में एक साथ कराते खेल में काता, कुमीते का प्रर्दशन किया जिसमें खिलाड़ी सृष्टि साहू , नाईमा कुरैशी, कृष्णा पटेल व अन्य खिलाड़ी शामिल हुए। कराते में नीलकंठ एवं खुशबू साहू, शेखर साहू के नेतृत्व में खिलाड़ियों ने बालिका आत्मरक्षा, लाठी चाल, डिफेंस, लूट पाट से बचाव इत्यादि कौशल का प्रर्दशन किया । बॉस्केटबॉल में शुभम तिवारी, के नेतृत्व में दिव्या रंगारी, आकाश, लालू, कुलेश्वर, सिध्दू, आशिष ने अलग अलग तरीके से ड्रिबल कर प्रर्दशन किया। ताईक्वांडो में भीषण मांडले, नीलम यादव के नेतृत्व में खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ मंच पर मौजूद अतिथियों के सामने बेहतर खेल कौशल का प्रर्दशन किया। दर्शकों ने खूब सराहना करते हुए आनंद लिया। जिले के खिलाड़ी जिन्होंने समर कैंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया उनको अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। प्रशिक्षक को प्रमाण पत्र एवम् मोमेंटो, कैप प्रदाय कर सम्मानित किया गया।

शिविर को सफल बनाने में जिला प्रशासन व खेल एवं युवा कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग, महिला बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस, जनसंपर्क, महिला एवं बाल विकास विभाग, समाज कल्याण, जनपद पंचायत महासमुंद, नगर पालिका व नगर पंचायत का सहयोग रहा। मंच संचालन व्यायाम शिक्षक सेवन दास मानिकपुरी एवम् आभार व्यक्त खेल अधिकारी मनोज धृतलहरे ने किया। इस ग्रीष्म कालीन खेल प्रशिक्षण शिविर के दौरान खिलाड़ियों ने अलग अलग उपलब्धियां हासिल किया जिसमें रग्बी में राज्य स्तर पर पदक एवं राष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी, योगा में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में 2 गोल्ड, 2 ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफल रहे, शतरंज खेल में रेटिंग प्राप्त, बॉस्केटबाल में राष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी, राज्य स्तरीय जनजातीय खेलों में पदक एवं राष्ट्रीय जनजातीय खेल महोत्सव योगा, फुटबाल, रग्बी में भागीदारी रहा।

छत्तीसगढ़ में हर वर्ग के लिए किया जा रहा है कामः भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित नवा बिहान-नवा छत्तीसगढ़ कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने नवा बिहान-नवा छत्तीसगढ़ कार्यक्रम में कहा कि साढ़े चार वर्षों में हमने जो काम किया है उसकी बदौलत हम जनता के बीच जाएंगे। हमने हर वर्ग के लिए काम किया है और सभी वर्ग आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना संकट काल में विपरीत परिस्थिति के बावजूद भी हमने लोगों के लिए काम किया है और इसीलिए लोगों का विश्वास हमारे साथ है।

जनता का भरोसा हम पर बरकरार है। श्री बघेल ने कहा कि कोरोना काल में हम लोगों के साथ खड़े रहे, लाकडाउन में सबसे पहले हमने लोगों के घरों में अग्रिम में चावल उपलब्ध कराया, बच्चों की शिक्षा निरंतर जारी रखने शिक्षा के क्षेत्र में कई नवाचार किए। गांवों तक स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने के लिए चलित अस्पताल की योजना शुरू की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार किसानों के हित में कार्य करते हुए समर्थन मूल्य पर धान, लघु वनोपज खरीद रही है। सांस्कृतिक परंपराओं को पुनर्जीवन और सम्मान देने का काम हमारी सरकार ने किया है। उन्होंने एक प्रश्न के जवाब में कहा कि भारत की व्यवस्था ऐसी है कि यहां हर कोई रह जाता है, खुसरो से लेकर कबीर तक हर किसी ने समरसता की बात की है, रसखान और रहीम ने भी एकजुटता की बात कही है। देश में हमेशा प्रेम गीत गाया गया है। यहां गंगा जमुना तहजीब रही है। उन्होंने कहा कि महापुरूषों के रास्ते पर चलकर ही हम छत्तीसगढ़ में विकास की राह पर चल रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के पहले फुल एचडी न्यूज चैनल बीएस टीवी (मध्य भारत) की टीम को नई शुरूआत की शुभकामनाएं दी।

सभापति और पार्षद गिरवर बंटी साहू के जन्मदिन के मौके में लगा स्वास्थ शिविर व रक्त दान शिविर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आज भिलाई नगर निगम के सभापति और वार्ड 12 पार्षद गिरवर बंटी साहू जी के जन्मदिन पर उनके वार्ड मैं स्वास्थ शिविर और रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया आयोजक समाज सेवक डॉ हरजिंदर सिंह और शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज एवम हॉस्पिटल के सहयोग से स्त्री रोग विशेषग्य, नेत्र रोग विशेषग्य, दंत रोग, आपातकालीन चिकित्सा, आर्थोपेडिक, ब्लड ग्रुप और एचबी जांच (सेवक जन फाउंडेशन) निम्न डॉक्टरों द्वारा नि:शुल्क सेवा दी गई और आशीर्वाद ब्लड बैंक के द्वारा रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। जिसमें 252 लोगों ने अपना स्वास्थ लाभ लिया और 25 लोगो ने अपना बहुमूल्य रक्त का दान किया ये आयोजन वार्ड 12 कोहका में कर्मा भवन में किया गया। गिरवर बंटी साहू ने सभी वार्ड वाशियो को आभार व्यक्त किया तथा सभी डॉक्टर को श्रीफल और पुष्पगुच्छ देकर धन्यवाद दिया।

जगदलपुर में मची गोंचा महापर्व की धूम, होगा उपनयन संस्कार, 20 जून को रथयात्रा में उमड़ेगा बस्तर के श्रद्धालुओं का जनसैलाब

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। 360 घर अरण्यक ब्राह्मण समाज अनवरत 616 वर्षों से चली आ रही अपनी रियासतकालीन परंपरा का निर्वहन करते हुए इस वर्ष भी 4 से 28 जून तक बस्तर गोंचा महापर्व का आयोजन कर रहा है। 4 जून को देवस्नान पूर्णिमा चंदन जात्रा पूजा विधान के साथ बस्तर गोंचा महापर्व का आगाज हो चुका है।

भगवान श्री जगन्नाथ अनसर काल की समाप्ति के साथ 19 जून को नेत्रोत्सव पूजा विधान उपरांत 20 जून को बस्तर के पारंपरिक तोप (तुपकी) की गर्जना के बीच गोंचा रथयात्रा पूजा विधान के साथ भगवान श्री जगन्नाथ, माता सुभद्रा व स्वामी के 22 विग्रहों को तीन रथों पर रथारूढ़ कर परिक्रमा उपरांत जनकपुरी गुंडिचा मंडप में विराजित किये जाएंगे। गुंडिचा मंडप में 9 दिनों तक श्रद्धालु भगवान के दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त करेंगे। इस दौरान 20 से 28 जून तक हर दिन समाज द्वारा विविध धार्मिक, सांस्कृतिक अनुष्ठानिक कार्यक्रमों की परंपरा के निर्वहन की व्यवस्था भी की गई है।

गोंचा महापर्व के दौरान रोज संध्या 7.30 बजे भगवान की महाआरती उपरांत भजन-कीर्तन व सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन होंगे। स्थानीय एवं सांस्कृतिक मंत्रालय छत्तीसगढ़ शासन के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों द्वारा भजन संध्या की प्रस्तुति होगी।

समाज द्वारा 23 जून को अखंड रामायण पाठ का आयोजन बनमाली पाणीग्रही परिवार जगदलपुर के सौजन्य से किया जाएगा। इसी दिन निशुल्क उपनयन संस्कार का आयोजन समाज के संस्थापक अध्यक्ष स्व. मोहन प्रसाद पाणीग्रही एवं स्व. उमेशचंद्र पानीयाही परिवार जगदलपुर द्वारा किया जाएगा। 24 जून को समाज के बुजुर्गो तथा भगवान श्री जगन्नाथ को सलामी देने हेतु तुपकी बनाने वाले ग्रामीणों का सम्मान किया जाएगा।

उसी दिन हेरापंचमी पर संध्या समय श्री जगन्नाथ मंदिर से लक्ष्मीजी की डोली नगर भ्रमण करती हुई जनकपुरी सिरहासार पंहुचेगी, जहां लक्ष्मी-नारायण संवाद का कार्यक्रम होगा। 25 जून को गुंडिचा मंडप सिरहासार में भगवान श्री जगन्नाथ प्रभु को ओंकार पाण्डे परिवार जगदलपुर द्वारा इस भी छप्पन भोग का अर्पण किया जाएगा। गोंचा महापर्व को मेले का स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से इस वर्ष भी पर्व के दौरान 8 दुकानें स्थापित की जा रही हैं, जहां पूजा सामग्री व सामाजिक धार्मिक वस्तुओं के साथ-साथ भगवान श्री जगन्नाथ को प्रिय भोग प्रसाद भी श्रद्धालुओं के लिएक उपलब्ध होंगे।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को गोंचा महापर्व में सम्मिलित होने हेतु आमंत्रण समाज के प्रतिनिधि मंडल द्वारा बस्तर संभाग के जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में दिया गया है। मुख्यमंत्री ने पर्व में छप्पन भोग के शुभ अवसर पर 25 जून को सम्मिलित होने के लिए आश्वस्त किया है। साथ ही छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रमुख जनप्रतिनिधियों के भी पर्व में शामिल होने की संभावना है। नगर पालिक निगम के सहयोग से गोंचा गुड़ी का निर्माण कराया जा रहा है, जहां पर बैठकर दिव्यांग, वृद्धजन गोंचा महापर्व का आनंद ले सकेंगे।

पदमा बेन दीक्षित ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर देहदान की घोषणा की

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। आर्यनगर निवासी पदमा बेन दीक्षित ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर देहदान की घोषणा कर वसीयत नवदृष्टि फाउंडेशन के राज आढ़तिया,कुलवंत भाटिया,रितेश जैन,हरमन दुलाई,जितेंद्र कारिया,दयाराम भाई,उज्जवल पींचा,यतीन्द्र चावड़ा,चेतन जैन को सौंपी।

पदमा बेन दीक्षित ने कहा बहुत समय से मन में देहदान करने की इच्छा थी और आज जन्मदिन को शुभ घडी मानते हुए हमने यह निर्णय लिया ताकि जन्मदिन सार्थक हो सके। पदमा बेन के पति मुकुंद भाई दीक्षित,पुत्र मनीष दीक्षित ,सागर दीक्षित,वधु हेमाली दीक्षित,शीतल दीक्षित ने सहमति दी, मनीष दीक्षित ने कहा मुझे यह जन्मदिन उम्र भर याद रहेगा आज हमारे परिवार ने माँ के जन्मदिन को यादगार बनाया हमारा परिवार माताजी से प्रेरणा लेगा भविष्य में इस पुंनित कार्य में सहयोग करेगा। श्री दीक्षित के निवास पर सीनियर सिटीजन ग्रुप के सदस्यों ने पदमा बेन का जन्मदिन मनाया एवं देहदान के निर्णय का स्वागत किया। नवदृष्टि फाउंडेशन के यतीन्द्र चावड़ा ने कहा पदमा बेन का निर्णय स्वागत योग्य है एवं अभी समाज को नेत्रदान व् देहदान हेतु अधिक जागरूक होने की जरुरत है जिसके लिए हमारी संस्था लगातार अभियान चला रही है,हरमन दुलई ने जानकारी दी कि अभी भी मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों हेतु केडेवर की भारी कमी है जिस से भविष्य के डाक्टरों को रिसर्च करने में असुविधा होती है लगातार देहदान से स्थिति सामान्य होगी। सदस्य उज्जवल पींचा ने कहा हमारी संस्था लगातार लोगों को नेत्रदान ,देहदान व रक्तदान हेतु जागरूक कर रही है जिसके सुखद परिणाम आ रहे हैं भविष्य में यदि कोई देहदान व नेत्रदान पर कोई जानकारी चाहता है तो हमारे सदस्यों से सम्पर्क करे या 9826156000 / 9827476558 नंबर पर फोन कर जानकारी ले सकता है।

रिसाली में अवैध कारोबार पर सख्ती

रिसाली। नगर निगम सीमा क्षेत्र में बिना अनुमति होर्डिंग्स लगाकर कारोबार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है। आयुक्त आशीष देवांगन के निर्देश पर राजस्व विभाग ने अभियान चलाया। मुख्य मार्ग समेत 9 स्थानों से होर्डिंग्स को उखाड़ा गया। बिना अनुमति प्रचार प्रसार के नाम पर मोटी रकम लेने वाले एंजेसी के खिलाफ रिसाली निगम ने पहले नोटिस जारी किया था। होर्डिंग्स को हटाने 15 दिनों का समय दिया था। इसके बाद भी होर्डिंग्स नहीं हटाने पर कार्यवाही की गई। राजस्व विभाग प्रभारी संजय वर्मा ने बताया कि मुख्य सड़क और एप्रोच मार्ग पर कुल 9 होर्डिंग्स लगा था। जिसमे नेवई थाना के सामने 2 , लंगूर मैदान के सामने 2 हिंद नगर क्षेत्र में 4 और चर्च के सामने 1 होर्डिंग्स को हटाया गया।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

राजधानी में बेखौफ बदमाश दिनदहाड़े ऑटो चालक पर किया चाकू से हमला, आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

रायपुर। भारी पुलिसिंग और अलर्ट के बाद भी राजधानी रायपुर में चाकूबाजी की घटनाएं नहीं थम रही हैं। बदमाश बेखौफ होकर अब दिनदहाड़े चाकूबाजी कर रहे हैं। फिर इसी तरह का एक मामला देखने को मिला है। बदमाश ने एक ऑटो चालक पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला किया है। चाकूबाजी से ऑटो चालक बुरी तरह से घायल हो गया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। मामला कबीर नगर थाने क्षेत्र का है।

बताया जा रहा है कि आरोपी ने ऑटो चालक को गांजा लेने के लिए भेजा था, लेकिन ऑटो चालक ने गांजा लेन से मना कर कर दिया। इस पर नाराज होकर आरोपी ने ऑटो चालक पर चाकू से कर हमला कर दिया। फिलहाल, पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है। आरोपी की तलाश में जुटी है।

पेपर मिल हादसे में श्रमिक की मौत फैक्ट्री में ग्रामीणों का हंगामा

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी में धरसीवां के मोहदा तरपोंगी स्थित विरांस पेपर मिल में एक हादसा हो गया। पुलिस के अनुसार फैक्ट्री में काम के दौरान भूसा में दबने से एक श्रमिक रेवाराम साहू की मौत हो गई। दरअसल, घटना रविवार शाम की है। फैक्ट्री में श्रमिक की मौत पर ग्रामीणों में आक्रोश है। नाराज ग्रामीण बड़ी संख्या में फैक्ट्री के बाहर पहुंचे। ग्रामीणों ने फैक्ट्री प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मृतक के स्वजनों को मुआवजा और घर के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग की। लेकिन ग्रामीणों के घंटों आंदोलन के बाद भी फैक्ट्री प्रबंधन की ओर से कोई सामने नहीं आया।इधर, सूचना मिलते ही धरसीवां टीआई पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। फिलहाल फैक्ट्री के बाहर ग्रामीण 30 लाख मुआवजा और बच्चे को नौकरी के साथ पत्नी को पेंशन की मांग को लेकर देर रात तक अड़े रहे। पुलिस ने आक्रोशित लोगों को शांत कराया और मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

यात्री बस रेलवे ओवरब्रिज से टकराई, 26 घायल

रायगढ़ (ए)। जिले में एक तेज रफ्तार यात्री बस रेलवे ओवरब्रिज से जा टकराई। जिसकी वजह से 26 यात्री घायल हुए हैं। इनमें से 2 यात्री हादसे के बाद नीचे बने रेलवे ट्रैक पर भी जा गिरे। इसके चलते इनकी हालत काफी गंभीर बनी हुई है। ये हादसा घरघोड़ा थाना क्षेत्र में हुआ है। सोमवार सुबह यात्री बस CG 13 एबी 7596 रायगढ़ से घरघोड़ा की ओर जा रही थी। बस सुबह 7.30 बजे से 8 बजे के बीच दर्रीडीपा के पास पहुंची थी। उसी दौरान यह हादसा हो गया है। बताया जा रहा है कि बस तेज रफ्तार में थी। इसके बाद अचानक से ओवरब्रिज से जा टकराई। हादसा इतना जबरदस्त था कि 2 यात्री सीधे नीचे बने रेलवे ट्रैक पर गिर गए। कुछ लोग जमीन पर गिर गए थे। मौके पर चीख पुकार मच गई। घरघोड़ा अस्पताल में इलाज जारीउधर, राहगीरों ने जब ये सब देखा, तब उन्होंने तत्काल एंबुलेंस को बुलाया। जिसके बाद सभी घायलों को घरघोड़ा अस्पताल भेजा गया है। वहां उनका उपचार किया जा रहा है। इनमें से 2 घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। हादसे की सूचना पुलिस को भी दी गई थी। जिसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। एंबुलेंस की मदद से घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। ऐसा बताया जा रहा है कि जिस वक्त यह हादसा हुआ, उस वक्त ड्राइवर को झपकी आ गई थी।

वैशाली नगर पुलिस ने पकड़ी लाखों की ड्रग्स हेरोइन के पैकेट्स के साथ दो गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के वैशाली नगर थाना क्षेत्र में नशे के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की गई है। यहां अवैध रूप से खफाने के लिए लाया गया मादक पदार्थ हेरोइन जब्त करने में पुलिस को सफलता मिली है। नशे का सौदागर अन्तर्राज्यीय तस्कर पंजाब से हेरोइन लाकर रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव सहित अन्य जिलों में खफा रहे थे। इस मामले में पुलिस ने एक महिला सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास कब्जे से 147.860 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) एवं इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, 2 मोबाइल व 70 हजार रुपए नगद बरामद किया गया। पुलिस ने लगभग 10 लाख रुपए का मशरुका जब्त कर आरोपियों के खिलाफधारा 21 (क), 27 (क) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

बता दें दुर्ग पुलिस द्वारा लगातार नशे के कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि प्रेमनगर कैम्प-1 भिलाई निवासी नूतन सिंह नामक महिला के द्वारा अपने घर के चबुतरे में अवैध रूप से एक बैग के अंदर ब्राउन शुगर रखकर ब्रिक्री कर रही है। सूचना के बाद वैशाली नगर पुलिस की टीम ने महिला को घेराबंदी कर पकड़ा। उसके कब्जे से नीला बैग के अंदर एक स्टील गोल डिब्बा में भरा हेरोइन (चिट्टा) वजन 147.860 ग्राम किमती 7,40,000 रुपए, बिक्री में तौल इस्तेमाल इलेक्ट्रॉनिक मशीन, सिल्वर फाईल (कागज) तथा बिक्री रकम 24070 रुपए जब्त किया गया।

पूछताछ करने पर महिला ने बताया कि उसके दूसरे पति दलबीर सिंह द्वारा पंजाब से मादक पदार्थ हेरोइन (चिट्टा) भिलाई में बेचने के लिए दिया जाता है। इसके बाद पुलिस ने दलबीर सिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। उसने बताया कि हेरोइन (चिट्टा) पंजाब से लाकर देता है एवं रायपुर, दुर्ग राजनांदगांव व अन्य जगहो पर भी माल को खपाना है आरोपी दलबीर सिंह के कब्जे से 02 मोबाइल, मादक पदार्थ हेरोइन बिक्री की रकम नगदी 45720 रुपए जब्त किया गया। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार ज्युडिशियल रिमाण्ड पर भेजा गया।

इस पूरी कार्रवाई में निरीक्षक त्रिनाथ त्रिपाठी, एसआई कमला यादव, एएसआई राघवेन्द्र सिंह, प्रधान आरक्षक हेमंत सिंह, आवेश सिद्धिकी, आरक्षक जितेन्द्र सिंह, रवि यादव, दिनेश जयसवाल, नितेश पाण्डेय, राजकुमार यादव रूखमणी साहू , नम्रता सिंह एवं सिविल टीम से आरक्षक जुनैद सिद्धिकी, आरक्षक नियाज खान, आरक्षक भीम यादव, आरक्षक शैलेष, आरक्षक आशीष प्रसाद की सराहनीय भुमिका रही।

ट्रक की चपेट में आने से भाई-बहन की मौत

इंजीनियरिंग पार्क के पास हादसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र में हथखोज के इंजीनियरिंग पार्क के पास रविवार को बड़ा हादसा हो गया। अकलोरडीह निवासी बाइक सवार सगे भाई बहन को ट्रक ने ठोकर मार दी। हादसे में दोनों की मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मृतक भाई-बहन वार्ड पार्षद व एमआईसी सदस्य संतोषी निषाद के रिशतेदार थे।

मिली जानकारी के अनुसार अकलोरडीह निवासी खोरबहरा निषाद की बेटी तारिणी निषाद (22) व हरीश निषाद (15) रविवार दोपहर 11 से 12 बजे के बीच पावर हाउस मार्केट से बाइक पर घर के लिए निकले। बाइक को हरीश निषाद चला रहा था। दोनों छावनी चौक होते हुए हथखोज ट्रांसपोर्ट नगर होते हुए अकलोरडीह की ओर जा रहे थे। इस दौरान अभी दोनों इंजीनियरिंग पार्क के पास पहुंचे ही थे की तेज रफ्तार ट्रक (MH 31- FC 6567) की चपेट में आ गए।

हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। वहीं मौके पर काफी भीड़ जमा हो गई। आनन फानन में लोगों ने दोनों को सुपेला शास्त्री अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया है। हादसे के बाद मृतकों के घर पर मातम पसर गया है। मृतका तारिणी ग्रेजुएशन कर चुकी थी और हरीश निषाद ने नौवीं कक्षा तक पढ़ाई की थी। दोनों की हादसे में मौत के बाद गांव में मातम का माहौल है। फिलहाल हादसे की पुरानी भिलाई पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

तालपुरी इंटरनेशनल कालोनी की सर्चिंग में पकड़ाई भिलाई की महाठग

खुद को अफसर बताकर कई लोगों को लगाया चूना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रविवार को तालपुरी कॉलोनी में सर्चिंग के दौरान पुलिस के हाथ भिलाई की महाठग ज्योति सोनी लग गई। ज्योति सोनी के खिलाफ सुपेला थाने में पीएम आवास दिलाने के नाम पर कई लोगों से ठगी का मामला दर्ज है। सुपेला पुलिस को काफी दिनों से इसकी तलाश थी। महाठग ज्योति अलग अलग ठिकाने बदलने के बाद आखिरकार तालपुरी कॉलोनी में रह रही थी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर धारा 420 के तहत कार्रवाई की है।

बता दें निवासी चिंगरी पारा सुपेला निवासी राकेश चौसरे की वर्ष 2020 में अपने परिचिति रमेश के माध्यम से ज्योति सोनी से मुलाकात हुई थी। इस दौरान ज्योति सोनी ने प्रार्थी को बताया था कि वह सरकारी अधिकारी है और प्रधान मंत्री आवास दिलाने का काम करती है। प्रार्थी को भी उसने ढाई लाख रुपए में मकान दिलाने की बात कहीं। राकेश चौसरे, ज्योति सोनी के बातो से प्रभावित होकर व उनके झांसे में आकर ढाई लाख रुपए में प्रधान मंत्री आवास दिलाने के नाम दिया।

ज्योति सोनी द्वारा बताया था कि जल्द ही मकान मिल जायेगा एवं आपके अलावा और किसी भी व्यक्ति को मकान की आवश्यकता

हो तो बताना उनको भी दिलवा देंगे। तब प्रार्थी उनकी बातो पर विश्वास कर अपने जान पहचान के लगभग 8-10 लोग से रुपए लेकर उसे दे दिया। रुपए लेकर वह फरार हो गई। प्रार्थी के रिपोर्ट पर थाना सुपेला में धोखाधडी का रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

लंबे समय से फरारी काट रही ज्योति सोनी की पुलिस ने काफी तलाश की लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। लेकिन रविवार को पुलिस ने तालपुरी में जब संदिग्धों की जांच शुरू की तो पारिजात कॉलोनी के बी ब्लॉक में ज्योति सोनी भी पुलिस की गिरफ्त में आ गई। उसे हिरासत में लेकर सुपेला थाने लाया गया और यहां पूछताछ में उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। सुपेला पुलिस ने आरोपिया को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड में भेज दिया है।

इंडियन कॉफी हाउस के किचन में सिलेण्डर फटा, फैली आग

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। बीती रात इंडियन कॉफी हाउस के किचन में सिलेण्डर फटने से आग लग गई। फादर्स डे सेलिब्रेशन के लिए पहुंचे एक ग्रुप की मौजुदगी में यह ब्लास्ट हुआ। इंडियन कॉफी हाउस की यह ब्रांच किरंदुल एनएमडीसी में स्थित है। सिलेण्डर फटने से किचन में आग लग गई। इस दौरान किचन में मौजूद कर्मचारियों ने भागकर अपनी जान बचाई। हादसे की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

मिली जानकारी के अनुसार दंतेवाड़ा के किरंदुल एनएमडीसी स्थित इंडियन कॉफी हाउस में उस समय अफरा तफरी मच गई जब अचानक आग लग गई। किचन में कर्मचारी काम कर रहे थे इस दौरान सिलेण्डर का पाइप बाहर निकल गया। गैस रिसाव से आग लग गई। यह देख किचन के कर्मी बाहर निकल गए और कुछ देर में ब्लास्ट के साथ आग फैलने लगी। कॉफी हाउस के कर्मचारियों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने करी एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादस रविवार की रात करीब 10:30 बजे की है। घटना के बाद एनएमडीसी के अधिकारी और पुलिस जांच में जुट गए हैं।

‘आदिपुरुष’ का विरोध: भिलाई में वेंकटेश्वर टाकीज में तोड़फोड़

हिन्दुवादी संगठनों ने बंद कराया शो

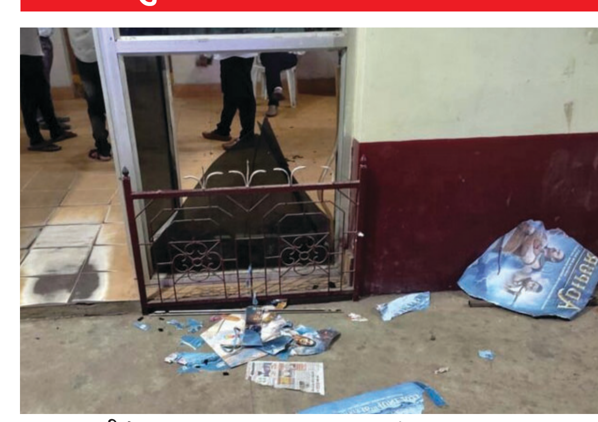

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में आदिपुरुष मूवी का विरोध तेज हो गया है। कई शहरों में इस फिल्म का विरोध हो रहा है। इसी कड़ी में भिलाई के वेंकटेश्वर टाकीज के बाद हिन्दूवादी संगठनों ने प्रदर्शन किया और टाकीज में तोड़फोड़ तक कर दी। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने शो भी बंद करा दिया, हालांकि विवाद थमने के बाद शो फिर से शुरू हुआ। आदिपुरुष के विवादित डायलॉग व भगवान राम व हनुमान के चरित्र से छेड़छाड़ के कारण इस फिल्म को बैन करने की मांग की जा रही है।

बता दें आदिपुरुष फिल्म रिलीज होने के बाद से ही इस फिल्म के कैरेक्टर व डॉयलॉग को लेकर विवाद जारी है। देशभर में इसके खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ में भी इसका असर देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल स्वयं इस फिल्म के कंटेंट को लेकर इसकी निंदा कर चुके हैं और फिल्म को बैन करने के संकेत भी दे चुके हैं। वहीं पूर्व सीएम डॉ रमन सिंह ने भी इस फिल्म के कंटेंट का विरोध किया है। अब इस फिल्म को लेकर छत्तीसगढ़ में विरोध तेज हो रहा है। हिन्दूवादी संगठनों ने रविवार को भिलाई के वेंकटेश्वर टाकीज में तोड़फोड़ की है। यही नहीं भिलाई के पीवीआर व न्यू वंसत टाकीज में भी फिल्म के विरोध में प्रदर्शन किया गया।

बिलासपुर में भी विरोध

बिलासपुर में भी रविवार को हिंदू संगठनों ने सिविल लाइन स्थित मल्टीप्लेक्स के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता बाहर एकत्र हो गए हैं और प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच हनुमान चालीसा का पाठ भी जारी है। वहीं कुछ कार्यकर्ताओं ने मल्टीप्लेक्स के अंदर भी घुसने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस से उनकी धक्का-मुक्की हुई है। प्रदर्शन के दौरान ही हिंदू एकता संगठन ने नारेबाजी कर फिल्म का विरोध किया। विरोध कर रहे लोगों ने फिल्म को बैन करने की मांग की है। सिविल लाइन पुलिस ने आधा दर्जन से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है।

छत्तीसगढ़ के सक्ती में खौफनाक कांड: नाबालिग से छेड़छाड़ कर रहे थे बदमाश, भाई ने रोका तो जान से मार दिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में नाबालिग से छेड़छाड करने वाले बदमाशों ने उसके भाई की हत्या कर दी। मामला जिले के जैजेपुर थाना क्षेत्र का है। युवक की गलती सिर्फइतनी थी कि वह बदमाशों को उसकी नाबालिग बहन से छेड़छाड़ नहीं करने के लिए समझा रहा था। इसी बात को लेकर बदमाशों ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इसके नाबालिग से भी मारपीट की। घटना के बाद सभी बदमाश फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर `रही है।

मिली जानकारी के मुताबिक जिले के ग्राम सेंदरी निवासी एकलव्य रात्रे (27) पुत्र सुकालु रात्रे ईंट-भट्ठा में मजदूरी करता था। वह कुछ दिनों पहले ही मजदूरी कर घर लौटा था। शनिवार दोपहर उसकी नाबालिग बहन नहाने के लिए तालाब जा रही थी। इस दौरान रास्ते मे कुछ बदमाश किश्म के लड़कों ने उसे घेर लिया और छेड़छाड़ करने लगे। लड़की ने घर पहुंचकर अपने भाई को इसकी जानकारी दी।

इसके बाद एकलव्य उन लड़कों को समझाने चला गया। साथ में उसकी नाबालिग बहन भी थी। बदमाशों को समझाना एकलव्य के लिए भारी पड़ गया। सभी ने मिलकर उसकी पिटाई शुरू कर दी। इस दौरान उस पर धारदार हथियार से भी हमला किया गया। बीच बचाव करने पर नाबालिग से भी मारपीट की। एकलव्य को खून से लथपथ छोड़कर सभी वहां से भाग गए। आसपास मौजूद लोगों ने जब एकलव्य का देखा तो मामले की जानकारी परिजनों को दी। इसके बाद परिजन एकलव्य को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैजैपुर लेकिन गए, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रबंधन की ओर से मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने रविवार को पंचनामा कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, ‘A’ Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

फौलादी इरादा निभाया वादा

नए पद विज्ञापन जारी

12,489
शिक्षा विभाग

1920
वन विभाग

920
तकनीकी शिक्षा विभाग

522
अपेक्स एवं सहकारी बैंक

500
आदिम जाति तथा अनुसूचित जनजाति विकास विभाग

653
अन्य विभाग

रोक हटते ही

19940

नौकरियों की बरसात

शुरू हुई थमी भर्ती प्रक्रिया

975
गृह विभाग

400
ऊर्जा विभाग

291
वन विभाग

342
अन्य विभाग

जारी हुए अटके नियुक्ति आदेश

377
ऊर्जा विभाग

352
जल संसाधन विभाग

136
स्वास्थ्य विभाग

63
अन्य विभाग

> मैंने कहा था कि अदालती रोक हटते ही हम नौकरियों की बरसात कर देंगे। नतीजा आपके सामने है।
>
> - भूपेश बघेल मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

RO-37376/1

विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती मिशन मोड में

छत्तीसगढ़ सरकार, भरोसे की सरकार

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprCg.gov.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950